सोशल मीडिया से जुड़ें

You Tube

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 01, अंक 278, नई दिल्ली

सोमवार, 18 दिसम्बर 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

आज का सुविचार

आप में कितनी भी प्रतिभा क्यों न हो, प्रयास और अभ्यास के बिना सब व्यर्थ है !

ग्रीन कॉरिडोर बना पहली बार दिल्ली से जयपुर भेजा गया दिल एक युवक के अंगदान से चार लोगों को मिला नया जीवन

गंगाराम अस्पताल में युवक के अंगदान से चार लोगों को जीवन मिला। उसके अंगदान से मिला लिवर दोनों किडनी और दिल अलग-अलग अस्पतालों में चार मरीजों को प्रत्यारोपित किया गया। खास बात यह है कि ग्रीन कॉरिडोर बनाकर पहली बार दिल्ली से सड़क मार्ग (दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे) के जरिये दिल जयपुर पहुंचाया गया। तीन राज्यों की पुलिस ने ग्रीन कॉरिडोर बनाकर दिल को जल्दी जयपुर पहुंचाने में मदद की।

नई दिल्ली। गंगाराम अस्पताल में एक 37 वर्षीय युवक के अंगदान से चार लोगों को जीवन मिला। उसके अंगदान से मिला लिवर, दोनों किडनी और दिल अलग-अलग अस्पतालों में चार मरीजों को प्रत्यारोपित किया गया। खास बात यह है कि ग्रीन कॉरिडोर बनाकर पहली बार दिल्ली से सड़क मार्ग (दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे) के जरिये दिल जयपुर पहुंचाया गया।

इसमें दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान इन तीन राज्यों की पुलिस ने ग्रीन कॉरिडोर बनाकर दिल को जल्दी जयपुर पहुंचाने में मदद की।

अस्पताल प्रशासन के अनुसार, मूलरूप से हरियाणा के भिवानी जिले के बवानी खेड़ा का रहने वाला वह युवक सुशील कुमार दिल्ली में सब्जी का कारोबार करता था। दस दिसंबर को इंद्रपुरी में मोटरसाइकिल से सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के बाद उसे इलाज के लिए गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर्स ने उसे बचाने की पूरी कोशिश की लेकिन 14 दिसंबर को वह ब्रेन डेड हो गया। अस्पताल के डॉक्टर्स द्वारा समझाने पर दुख की इस घड़ी में सुशील की पत्नी ने उसके अंगदान की स्वीकृति दी।

इस वजह से उसके लिवर, दोनों किडनी, दिल और दोनों कार्निया दान हुआ। एक किडनी व लिवर गंगाराम अस्पताल में ही दो पुरुष मरीजों को प्रत्यारोपित हुआ। दूसरी किडनी नोएडा के अस्पताल में एक अन्य पुरुष मरीज को प्रत्यारोपित की गई।

दिल्ली में हृदय प्रत्यारोपण के लिए कोई मरीज उपलब्ध नहीं होने के कारण राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (नोटो) ने जयपुर के अस्पताल में एक मरीज को आवंटित किया। दिल्ली से जयपुरी तक करीब 245 किलोमीटर ग्रीन कारिडोर बनाकर एंबुलेंस से दिल जयपुर ले जाया गया।

अस्पताल के अनुसार, लिवर 70 वर्षीय बुजुर्ग मरीज को प्रत्यारोपित किया गया। हृदय व दोनों किडनी प्रत्यारोपण वाले मरीजों की उम्र करीब 40 वर्ष है। इसके अलावा दृष्टिबाधित दो लोगों को कार्निया प्रत्यारोपण से रोशनी भी मिली। अस्पताल प्रशासन ने पीड़ित परिवार के कार्य की सराहना की है।

मेट्रो के तीसरे फेज की डीपीआर मिलने का इंतजार, डीएमआरसी को दिए निर्देश

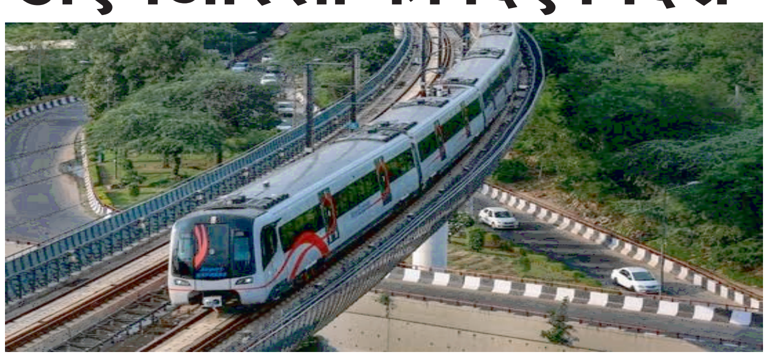

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद। तीसरे फेज में नोएडा सेक्टर-62 से साहिबाबाद तक मेट्रो लाने की योजना पर मंथन अब तेज हो गया है। जीडीए अधिकारियों ने डीएमआरसी को डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) जल्द से जल्द बनाकर भेजने को कहा है। फंडिंग पैटर्न पर का खाका भी तैयार है, अब सिर्फ डीपीआर मिलने का इंतजार किया जा रहा है।

पूर्व में मेट्रो के तीसरे फेज की डीपीआर 1517 करोड़ रुपये की बनाई गई थी लेकिन फंड न होने की वजह से मामला फाइलों में दब गया था। अब जीडीए और आवास विकास परिषद मेट्रो में हिस्सेदारी देने को राजी है। ऐसे में एक बार फिर से संशोधित डीपीआर तैयार कराई जा रही है। बीते महीने जीडीए की ओर से डीएमआरसी को पांच लाख रुपये का भुगतान कर दिया गया था। इसके बाद डीपीआर बनाने के निर्देश दिए गए थे। जीडीए ने डीएमआरसी को डीपीआर बनाने पर आने वाले खर्च की बाकी रकम का भुगतान करने का भी वादा किया है। जीडीए के मुख्य अभियंता मानवेंद्र सिंह ने बताया कि नोएडा सेक्टर-62 से साहिबाबाद स्थित आरआरटीएस स्टेशन तक मेट्रो की डीपीआर बनकर जल्द ही तैयार हो जाएगी। डीएमआरसी की ओर से डीपीआर मिल जाने के बाद जीडीए उपाध्यक्ष के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

वहीं, जीडीए उपाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने भी बीते बृहस्पतिवार को मेट्रो पर आने वाले खर्च के संबंध में अन्य विभागों और एनसीआर प्लानिंग बोर्ड के अधिकारियों से लोन लेने पर मंथन किया था। उनका कहना है कि मेट्रो के तीसरे चरण में आने वाले खर्च में 80 फीसदी हिस्सा यूपी को देना होगा, जीडीए और आवास विकास परिषद उसे 50-50 फीसदी वहन करने पर सहमति बनाने का प्रयास करेंगे। बाकी 20 फीसदी रकम डीएमआरसी वहन करेगी।

नमो भारत ट्रेन में हादसे रोकने के लिए लगी है उन्नत तकनीक, इसमें दिल्ली मेट्रो जैसी घटनाएं होने की संभावनाएं नहीं

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली मेट्रो में समय- समय पर जिस तरह के जानलेवा हादसे सामने आते रहे हैं उनकी आशंका नमो भारत ट्रेन में अपेक्षाकृत काफी कम है। इसमें सुरक्षित सफर के लिए कई स्तरों पर बेहतर व्यवस्था/तकनीक का प्रयोग किया गया है। नमो भारत ट्रेन में ड्राइवर-ऑपरेटर कैबिन के बाहर रियर व्यू मिरर भी लगे हुए हैं इससे ड्राइवर पीछे देख सकता है कि कहीं पर कोई अड़चन तो नहीं।

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो में समय- समय पर जिस तरह के जानलेवा हादसे सामने आते रहे हैं, उनकी आशंका नमो भारत ट्रेन में अपेक्षाकृत काफी कम है। इसमें सुरक्षित सफर के लिए कई स्तरों पर बेहतर व्यवस्था/तकनीक का प्रयोग किया गया है।

गौरतलब है कि मेट्रो के गेट में साड़ी फंसने से महिला की मौत हो जाने से एक बार फिर इसमें यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। ट्रेन आने पर इसके आगे कूद कर आत्महत्या करने के मामले आम हो गए हैं तो कुछ दिन पहले ही मेट्रो और प्लेटफार्म के बीच में फंसे हुए एक व्यक्ति का हृदय विदारक वीडियो भी सामने आया था। इस तरह के हादसे नमो भारत में न हों, इसके लिए नई- नई तकनीकों की मदद से कारगर कोशिश की गई है।

प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर लगाए गए

जानकारी के मुताबिक फिलहाल नमो भारत ट्रेन दिल्ली- मेरठ कॉरिडोर पर साहिबाबाद से दुहाई के बीच 17 किमी लंबे ट्रैक पर दौड़ रही है। इस ट्रैक के सभी पांचों स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर लगाए गए हैं। मतलब, ट्रेन और प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर दोनों के दरवाजे एक साथ ही खुलेंगे। केवल एक दरवाजा खुलने से न कोई चढ़ सकेगा एवं न ही उतर सकेगा। इससे न कोई यात्री ट्रैक पर गिर सकेगा, ना ही कूद सकेगा।

ड्राइवर-ऑपरेटर कैबिन के बाहर रियर व्यू मिरर

इसके अलावा नमो भारत ट्रेन के दरवाजे स्टेशन आने पर भी अपने आप नहीं खुलते। अगर किसी यात्री को उतरना या चढ़ना है तो उसे दरवाजे पर लगा पुश बटन दबाना है, तभी दरवाजा खुलेगा। हां, खुलने के बाद कोई भी दरवाजा बंद तभी होगा, जब ड्राइवर करना चाहेगा। इसी तरह नमो भारत ट्रेन में ड्राइवर-ऑपरेटर कैबिन के बाहर रियर व्यू मिरर भी लगे हुए हैं, इससे ड्राइवर पीछे देख सकता है कि कहीं पर कोई अड़चन तो नहीं।

नवीनतम तकनीक और एआई का इस्तेमाल

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) के अधिकारियों ने बताया कि सीसीटीवी द्वारा भी नमो भारत के स्टेशनों पर होने वाली गतिविधियों पर हर वक्त निगाह रखी जाती है। अधिकारियों के मुताबिक जिस तरह नमो भारत द्वारा यात्रा समय कम किया जा रहा है, उसी प्रकार नवीनतम तकनीक और एआई का इस्तेमाल कर इसमें सुरक्षित सफर की व्यवस्था सुनिश्चित करने का भी हरसंभव प्रयास किया गया है।

आपका अपना ऑटो टैक्सी यूनियन का स्थापना दिवस समस्त पदाधिकारियों ने मिलकर मनाया। उपेन्द्र सिंह (महासचिव)

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

अगर आप भी है वर्किंग वुमन तो इंवेस्टमेंट की ये तरकीबें आएंगी आपके बहुत ही काम, यहां जानें सारी जरुरी डिटेल

अगर आप वर्किंग वॉमन है और अपने लिए बेस्ट इंवेस्टमेंट ऑप्शन खोज रहे हैं तो हम आपके कुछ ऐसे ऑप्शन लाए है जिसकी मदद से आप अपने लिए सही इंवेस्टमेंट कर सकती हैं। इस लिस्ट में गोल्ड इंवेस्टमेंट म्युअल फंड से लेकर फिक्स्ड डिपॉजिट तक सब तक शामिल है। आज हम आपको बताएंगे कि आप कैसे इंवेस्ट कर सकते है।

भारत में बहुत सी ऐसी महिलाएं है, जो घर से बाहर निकल कर काम करती है। ऐसे में हम अपने काम में इतने महगूल हो जाते हैं कि हमें कभी-कभी ख्याल भी नहीं रहता है कि हम अपने लिए कोई सेविंग नहीं कर पा रहे हैं।

ऐसी स्थिति में इंवेस्मेंट का एक सही विकल्प हमेशा हमारे लिए मददगार साबित हो सकता है। आज हम आपको ऐसे ही कुछ विकल्प के बारे में बताएंगे, जो आपके लिए इंवेस्मेंट का बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं। आइये इनके बारे में जानते हैं।

गोल्ड इंवेस्टमेंट

पुराने समय से ही भारत में महिलाएं सोने में इंवेस्ट करती आ रही है, चाहे वो सोने का गहना हो या सोने की बिस्किट वे इसमें इंवेस्ट करती है।

सबसे अच्छी बात है कि अब गोल्ड में इंवेस्ट करने के बहुत से तरीके हैं, जिसमें गहने, सिक्के, बार, गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड, गोल्ड फंड, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड प्रोग्राम आदि शामिल हैं।

म्यूचुअल फंड SIP

अगर आप कम जोखिम के साथ इंवेस्ट करना चाहते हैं तो म्यूचुअल फंड आपके लिए निवेश का सबसे अच्छा तरीका हो सकता है। इसके लिए आपको अपने अनुसार निवेश करना होगा। अपने बजट के अनुसार आप इक्विटी, डेट या हाइब्रिड फंड में निवेश कर सकते हैं।

अगर आप लंबे समय के लिए इंवेस्ट करना चाहते हैं तो बता दें कि SIP आपके लिए बेहतर ऑप्शन है। हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि यह किफायती होने के साथ-साथ आसान भी है।

राष्ट्रीय पेंशन योजना

जैसा कि हम जानते हैं कि अब हमें पेंशन नहीं मिलती है, ऐसी स्थिति में भारत सरकार आपको लिए रिटायमेंट के बाद पैसे सुरक्षित रखने का उपाय लेकर आई है।

सरकार ने राष्ट्रीय पेंशन योजना को लॉन्च किया है, जिसकी मदद से आप आसानी से अपने लिए पैसे सुरक्षित कर सकते हैं।

एनपीएस योजना में आप बहुत से सिक्योरिटी प्लान में निवेश कर सकते हैं, जिसमें इक्विटी, कॉर्पोरेट बॉन्ड, लिक्विड फंड, सरकारी बॉन्ड आदि शामिल हैं।

ठंड में अपने बच्चों को रखें स्वस्थ नियमित खिलाएं यह आहार, बाल रोग विशेषज्ञ से लें टिप्स

शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. विनय कुमार बताते हैं कि सर्द हवा के कारण पड़ रही ठंड में बच्चों अधिक बीमार होते हैं. इससे उन्हें बचाने के लिए ताजा फल और गर्म खाना खिलाना चाहिए. साथ ही बच्चों के पूरे शरीर को अच्छे से ढंक कर रखें.

जिले में धीरे-धीरे ठंड अपने चरम की ओर बढ़ रही है. ऐसे मौसम में बच्चों को सबसे अधिक सर्दी-बुखार और कोल्ड डायरिया का खतरा बना रहता है. यही कारण है कि बच्चों के बीमार पड़ने का सभी को डर सताने लगता है. इसे लेकर सदर अस्पताल के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. विनय कुमार कहते हैं कि जब तेजी से मौसम बदल रहा हो तो वायरल इंफेक्शन बढ़ जाता है. ऐसे में बच्चों की सेहत का खास ध्यान रखना चाहिए. 5 से 13 साल के बच्चों को 9 से 11 घंटे की नींद लेनी चाहिए. अगर पूरी नींद लेंगे तो उनकी इम्युनिटी भी मजबूत बनेगी.

बच्चों के साथ मां भी रखें अपनी सेहत का ख्याल

डॉ. विनय कुमार कहते हैंकि बच्चों को रजाई या गर्म स्थान से अचानक बाहर या ठंडे जगह पर ले जाने से बचना चाहिए. बच्चों के कान, हाथ, पैर सहित शरीर को पूरी तरह से गर्म कपड़े से ढंक कर रखना चाहिए. बच्चों का तेल मालिश जरूर करें, ताकि उनके शरीर का रोम छिद्र खुला रहे.

बेहद खास है ये ताकत देने वाले काले बीज 'डॉक्टर से जानें कैसे

बेहद खास है ये ताकत देने वाले काले बीज 'डॉक्टर से जानें कैसेआगे देखें...

गर्म एवं ताजा खाने के साथ मौसमी फल खिलाएं. वे बताते हैं कि बच्चे की मां को भी अपनी सेहत का विशेष ख्याल रखना चाहिए. क्योंकि अगर मां बीमार होगी तो बच्चों के सेहत पर भी बुरा असर पड़ेगा. वे बताते हैं कि संक्रमण से लड़ने के लिए पोषक तत्व की जरूरत होती है. ऐसे में 5 साल से बड़े बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए नियमित रूप से सब्जी और फल खिलाना चाहिए.

सर्द हवा के कारण 11 डिग्री तक लुढ़का रात का पारा

बीते एक पखवारा में तापमान में 10 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है. साथ ही तेज पछुआ हवा भी चल रही है. इस कारण शाम ढलते ही कनकनी बढ़ने लगती है. जिले में बीते एक पखवारा के दौरान तापमान अधिकतम 32 से लुढ़क कर 22 एवं न्यूनतम 23 डिग्री से लुढ़क कर 11 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है.

इन कारणों से सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चे, बुजूर्ग, दिहाड़ी मजदूर और कामकाजी लोगों को हो रही है. तापमान में तेजी से हो रही गिरावट के अलावा दिन और रात के तापमान में भारी अंतर आने से लोग बीमार पड़ रहे हैं. इस कारण अस्पतालों में सर्दी-खांसी, कोल्ड डायरिया, बुखार के मरीज बढ़ रहे हैं.

बाहें फैलाकर आपको बुला रहे हैं ये 5 खूबसूरत डेस्टिनेशन

सुकून से बीतेगा रोमांस का पल, यादों में बसा रहेगा जिंदगी भर

अक्सर रोज की भागदौड़, वर्क प्रेशर, घर-परिवार की देखभाल के कारण कपल्स एक-दूसरे को समय नहीं दे पाते हैं. फिजिकली और मेंटली भी थकान महसूस होती है. ऐसे में कुछ दिनों के लिए सिर्फ एक-दूसरे के साथ समय बिताना चाहते हैं, जिंदगी का मजा उठाना चाहते हैं तो कपल ट्रैवल पर निकल पड़ें. सभी कामों से एक सप्ताह का ब्रेक लेकर आप किसी फेवरेट डेस्टिनेशन की सैर कर आएं. यदि आप देश के बाहर कहीं घूमना चाहते हैं तो कई ऐसी जगहें हैं, जो आपका मूड फ्रेश कर देंगे. सारी तनाव, परेशानियों को भूल जाएंगे. ये ट्रैवल डेस्टिनेशंस ऐसे हैं, जिन्हें न्यूली वेड कपल्स भी एक्सप्लोर कर सकते हैं.

बाली– आपको कपल ट्रैवल डेस्टिनेशन की तलाश है, जहां की खूबसूरत वादियां आपका मन मोह लें तो आप एक बाली होकर आएं. बाली के खूबसूरत बीच (Beach) पर आप एक-दूसरे के साथ क्वालिटी टाइम बिता सकते हैं. अपने जीवन को दोबारा से रोमांटिक बना सकते हैं. रिश्ते को पहले से भी ज्यादा मजबूत बना सकते हैं. यहां का फूड भी बेहद स्वादिष्ट होता है. प्रत्येक साल यहां कपल्स सबसे अधिक घूमने आते हैं.

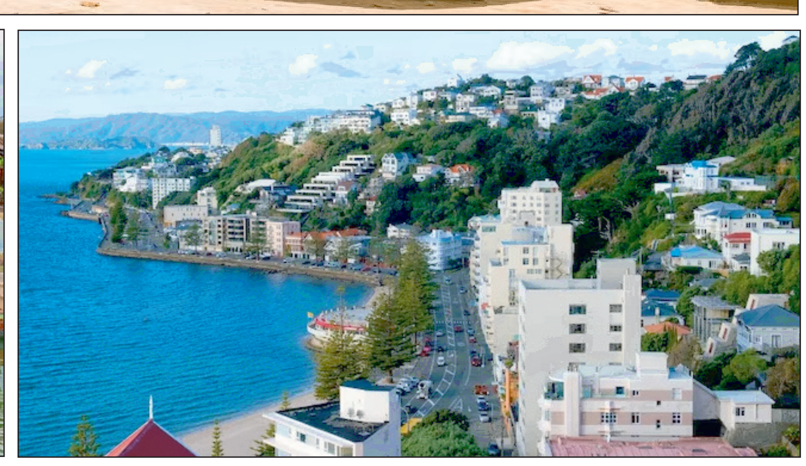

मालदीव– अधिकतर कपल्स मालदीव जाना पसंद करते हैं. यदि आपका सपना है मालदीव जाने का तो एक बार यहां जरूर घूम आएं. यहां के बीचेज पर बने छोटे-छोटे कॉटेज या बीच हाउस में सुकून भरा पल आपको साथ बिताने का भरपूर मौका मिलेगा. मालदीव अपनी खूबसूरती के लिए दुनिया भर में मशहूर है. यह एक शानदार कपल ट्रैवल और हनीमून डेस्टिनेशन साबित हो सकता है.

वियतनाम– वियतनाम एक दक्षिण पूर्व एशियाई देश है, जो अपने समुद्र तटों, नदियों, बौद्ध पैगोडा आदि के लिए मशहूर है. जो कपल कम पैसे में फुल मस्ती करना चाहते हैं, उनके लिए बेस्ट है वियतनाम में ट्रैवल करना. यहां आपको कई चीजें देखने को मिल जाएंगी. खूबसूरत समुद्र तटों पर आप एक-दूसरे के साथ रोमांटिक पल स्पेंड कर सकते हैं.

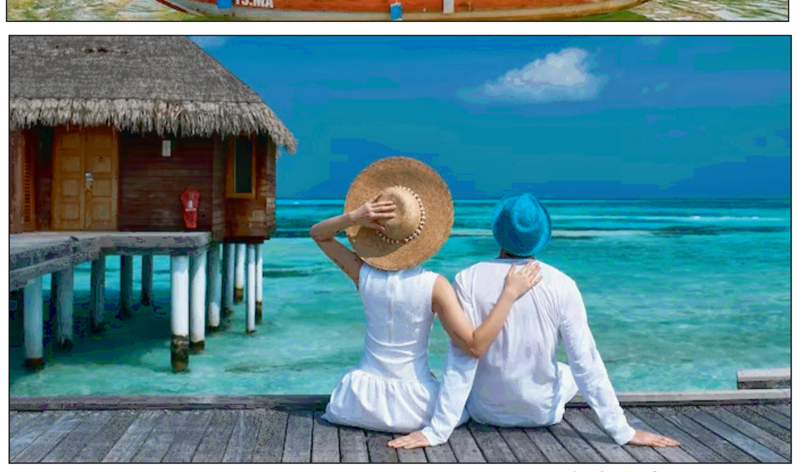

न्यूजीलैंड– यदि आपको किसी रोमांटिक डेस्टिनेशन की तलाश है तो आप न्यूजीलैंड का भी रुख कर सकते हैं. न्यूली वेड कपल्स के लिए भी यह एक शानदार हनीमून डेस्टिनेशन साबित हो सकता है. नीले-नीले समुंदर, ऊंचे-ऊंचे पहाड़ में एक-दूसरे के साथ घूमने से आपको रुमानी अहसास होगा.

मॉरीशस– आप बाली, मालदीव जा चुके हैं तो इस बार मॉरीशस घूमने का प्लान बनाएं. हाल ही में शादी हुई है और हनीमून प्लान कर रहे हैं तो आपके लिए मॉरीशस बेस्ट कपल ट्रैवल डेस्टिनेशन होगा. कहा जाता है कि धरती के खूबसूरत जगहों में से एक है मॉरीशस. यहां के खूबसूरत समुद्र तटों के किनारे लाइफ पार्टनर के साथ हाथों में हाथ डाले घूमना बेहद खास अहसास देगा. आप यहां आकर यहां के फूड्स, कल्चर, प्लेसेज का भरपूर आनंद उठा सकते हैं.

मैट्रो गेट में महिला की साडी फंसने से दर्दनाक मौत

पति की 9 साल पहले मौत, अब मां की मौत से बच्चे यतीम

मैट्रो पुलिस पूरे वाक्य की सीटीसी फुटेज खंगाल रही है। मैट्रो रेलवे सुरक्षा आयुक्त इस घटना की जांच कर रहे है। उधर मैट्रो ने अपनी सफाई में कहा कि दो दशक की मैट्रो सेवा में इस तरह का पहला हादसा हुआ है। जहां तक गेट में सेंसर की बात है तो 15 एम एम से मोटी कोई चीज फंसती है,तो गेट बंद नहीं होते है।

परिवहन विशेष। न्यूज

परिवहन विशेष।एसडी सेठी। रिठाला से गाजियाबाद की ओर जाने वाली रेड लाइन मैट्रो के बंद हो गए गेट में 35 वर्षीय रीना की साडी-जैकेट के फंसने से मैट्रो ने रफ्तार पकड ली। गेट में फंसी रीना प्लेटफार्म में घिसटती चली गई। प्लेटफार्म के अंत में लगे गेट से जबरदस्त टकराकर फंदे से छूटी तो ट्रैक में जा गिरी। गंभीर रूप से घायल महिला को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन सिर समेत शरीर की हड्डियां टूटने से इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। नांगलोई की रहने वाली रीना के पति की करीब 9 साल पहले मौत हो चुकी है।रीना अपने 14-15 साल के दो बच्चों के साथ किराए के मकान में अकेले रह रही थी। रीना की मौत के बाद अब लडका-लडकी अनाथ हो चुके है। मृतक रीना घरों में काम करती थी। शाम को सब्जी की रेढी लगाकर दोनों बच्चों को पाल रही थी और उनकी पढाई-लिखाई करा रही थी। मैट्रो पुलिस पूरे वाक्य की सीटीसी फुटेज खंगाल रही है। मैट्रो रेलवे सुरक्षा आयुक्त इस घटना की जांच कर रहे है। उधर मैट्रो ने अपनी सफाई में कहा कि दो दशक की मैट्रो सेवा में इस तरह का पहला हादसा हुआ है। जहां तक गेट में सेंसर की बात है तो 15 एम एम से मोटी कोई चीज फंसती है,तो गेट बंद नहीं होते है। अगर इससे पतले हो तो गेट बंद हो जाते है। यहां ये ही हुआ है। लेकिन गेट दो बार बंद होने की कोशिश करता है। उसके बाद ट्रैन के कंट्रोलर या स्टेशन कंट्रोलर को मैनअली गेट बंद करना पडता है। मैट्रो का कहना है कि मैट्रो के अंदर सुरक्षा चेतावनी का बाकायदा टेप चलता रहता है कि पीली लाइन से पीछे खडे हों। साडी,शॉल या ढीले वस्त्रों को समेटकर मैट्रो के गेट से बाहर या अंदर आए। इस बावत मुआवजे के प्रावधान पर आप्रेशन एंड मेंटिनेंस एक्ट 2002 के तहत इस तरह के हादसे के मामले में मुआवजे का प्रावधान है। हालांकि मौत होने पर सिर्फ 50,000 हजार रूपये तो तुरंत ही मंजूर किए जाते हैं।इसके अलावा मृतक की उम्र, आय, और परिवार की स्थिति के आधार पर मैट्रो मुआवजे की रकम तय करता है। मैट्रो सूत्रों के मुताबिक इस मामले में भी मुआवाज दिया जाएगा। बहरहाल (सीएमआरएस) ये जांच मंगलवार से शुरू होगी। सीसीटीवी फुटेज सेफली रख ली है। वहीं दिल्ली मैट्रो इस मामले में विज्ञापन देकर लोगों को बताना होगा कि अगर हादसे के वक्त वे प्लेटफार्म पर मौजूद थे, तो वे शास्त्री पार्क डिपो में आकर (सीएमआरएस) को इस हादसे के बारे में पूरी जानकारी दे सकते हैं।

गंभीर के बाद सुरेश रैना भी बीजेपी की टीम से खेलेंगें

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी भाजपा ने भारतीय क्रिकेट खिलाडी सुरेश रैना को भी संसद सदस्यों की टिकट फेहरिस्त में सुरेश रैना का नाम भी जुडने की गंभीर खबर है। उल्लेखनीय है कि टीम इंडिया के पूर्व भारतीय दिग्गज बल्लेबाज गौतम गंभीर के बाद एक और भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना भारतीय जनता पार्टी का हाथ थामकर 2024 का लोकसभा चुनाव लड सकते है। सुरेश रैना क्रिकेट के बाद बीजेपी राजनीति की पिच पर एंट्री कर गाजियाबाद या मेरठ से मैदान में उतर सकते हैं। बता दें कि 37 साल के सुरेश रैना ने साल 2020 में महेंद्र सिंह धोनी के साथ ही इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। रैना ने 2006 से 2018 तक भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने बांए हाथ से बल्लेबाजी करते हुए 18 टेस्ट मैचो में 1शतक और 7 अर्धशतक की मदद से 768 रन बनाए। अब राजनीतिक पारी खेलने वाले सुरेश रैना को गाजियाबाद/मेरठ से भाजपा उतारने की तैयारी में है। अब देखना ये है कि क्रिकेट की पारी खेलने के बाद रैना राजनीतिक की पारी खेलने पर कितने सफल होते है?

सरोगेसी: हम नहीं चाहते भारत में किराए की कोख एक उधोग बन जाए-हाई कोर्ट

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

नई दिल्ली। सरोगेसी पर दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि हम नहीं चाहते कि भारत किराए पर कोख देने वाला देश बन जाए। दरअसल सरोगेसी की प्रकिया को विनियमित करने वाले कानून की मंशा' 'अपनी कोख' देने वाली महिलाओ के शोषण पर अंकुश लगाना है।अदालत ने कहा कि कोई भी नहीं चाहता कि भारत में किराए की कोख एक उधोग बन जाए। सरोगेसी से आशय किसी महिला द्वारा अपनी कोख (गर्भ) में किसी अन्य दंपति के बच्चे को पालने और उसे जन्म देने से है। दिल्ली हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी कनाडा में रहने वाले एक भारतीय मूल के दंपति की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। इस याचिका में 'सरोगेसी 'नियम 2022 के नियम 7 के तहत फार्म-2 में बदलाव करके किराए की कोख प्रदाता महिला पर प्रतिबंध लगाने के लिए सरोगेसी (विनियमन) अधिनियम में संशोधन करने के केंद्र द्वारा जारी 14 मार्च की अधिसूचना को चुनौती दी गई थी। इस पर कार्यवाहक मुख्य न्यायधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मिनी पुष्करिणी की पीठ ने कहा ' इस प्रजनन आउटसोर्सिंग पर विधायिका द्वारा अंकुश लगाये जाने की अपेक्षा की जाती है।और वह भी उच्चतम न्यायालय के कहने पर और हम इससे आगे नहीं जा सकते। यह एक लाभकारी कार्य है, और इसका मुख्य उद्देश्य 'सरोगेट' (कोख प्रदान करने वाली महिला) के शोषण पर अंकुश लगाने है। दरअसल पीठ याचिका पर विचार करने के लिए इच्छुक नहीं थी। इसलिए याचिकाकर्ता के वकील ने बाद में आवश्यकता पडने पर नए सिरे से याचिका दायर करने की स्वतंत्रता के साथ अपनी याचिका को वापिस ले ली।

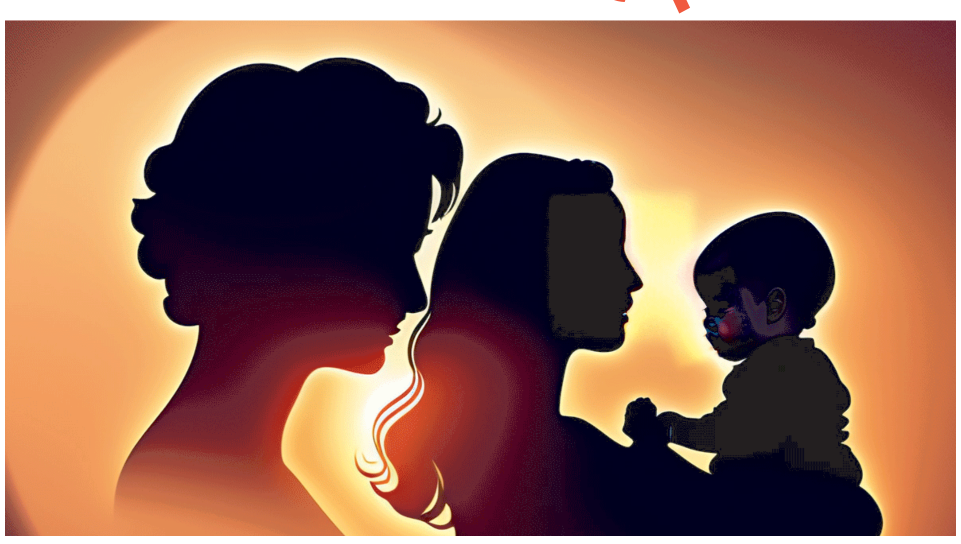

केजरीवाल 19से30 तक बिपश्यना मेडीटेशन पर होंगे

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

नई दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल हमेशा की तरह बिपश्यना के लिए रवाना होने जा रहे हैं।इस बावत मुख्यमंत्री कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक सीएम 19 दिसंबर से 30 दिसंबर तक बिपश्यना मेडिटेशन पर होंगे। आपको बता दें कि इससे पहले वे 2021 में जयपुर में बिपश्यना शिविर में गए थे।

सीएम केजरीवाल पिछले साल भी बिपश्यना पर गए थे। उस दौरान तत्कालीन उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली का कामकाज संभाला था। इस बार यह जिम्मेदारी कौन निभाएगा, यह साफ नही है। कयास लगाए जा रहे हैं कि आतिषी को यह जिम्मेदारी दी जा सकती है। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं है कि आप पार्टी संयोजक केजरीवाल बिपश्यना का अभ्यास कहां करेगें। आप ने उनके स्थान के बारे में बताने से इंकार किया है। उल्लेखनीय है कि बिपश्यना ध्यान पध्दति है। जिसमें भाग लेने वाले लोग एक निश्चित अवधि तक किसी भी संचार से दूर रहते है। इस दौरान किसी से संवाद या संकेतों के जरिए भी बात करना निषेध होता है। शिविर में रहकर शख्स मानसिक साधना का लाभ लेते है। इस साधना से आत्म निरीक्षण और आत्म शुद्धि की सबसे उच्च पध्दति माना गया है। बता दें कि बिपश्याना ध्यान पध्दति भारत की प्राचीन पध्दति है। भारत में इसके करीब 21 ध्यान केंद्र है। आज से 2500 वर्ष पूर्व भगवान बुद्ध ने इस पध्दति को रीडिस्कवरड किया था। दुनियां में करीब 234। स्थाई केंद्र हैं। जहां लोग मुफ्त में ध्यान सीखते हैं।

अडानी का एनडीटीवी के बाद आईएएनस पर कब्जा

परिवहन विशेष।एसडी सेठी। मीडिया इंडस्ट्री में गौतम अडानी ग्रुप ने अपने पैर पसार लिए है। एनडीटीवी के बाद अब अडानी ग्रुप इन मीडिया इंडस्ट्री के तहत न्यूज एजेंसी IANS (आईएएनएस) इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सबसे बडी बहुमत हिस्सेदारी खरीद कर कब्जा जमा लिया है। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक अडानी मीडिया ग्रुप ने मीडिया क्षेत्र में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है। एनडीटीवी के अधिग्रहण के बाद अडानी समूह की कंपनी एएमस मीडिया नेटवर्क लिमिटेड का दूसरा बडा सौदा माना जा रहा है। एनडीटीवी की तरह की आईएएनएस का मुख्यालय भी दिल्ली में ही है। उल्लेखनीय है कि मीडिया इंडस्ट्री में अडानी का कदम सुर्खयों में है। अडानी ने मार्च में मीडिया बिजनेस में कदम रखा था। जब क्विंटिलियन बिजनेस मीडिया का अधिग्रहण किया था। जो व्यवसाय और वित्तीय समाचार डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म बीक्यू प्राइम संचालित करता है। इसके बाद दिसंबर में करीब 65 फीसदी हिस्सेदारी ले ली। एएमएनएल इन अधिग्रहण का माध्यम भी था। 01 अप्रैल 2022 से मार्च ,2023 में आईएएनएस का राजस्व 11.86 करोड रूपये था।अडानी को आईएएनएस के सभी निदेशकों को नियुक्त करने का अधिकार होगा।

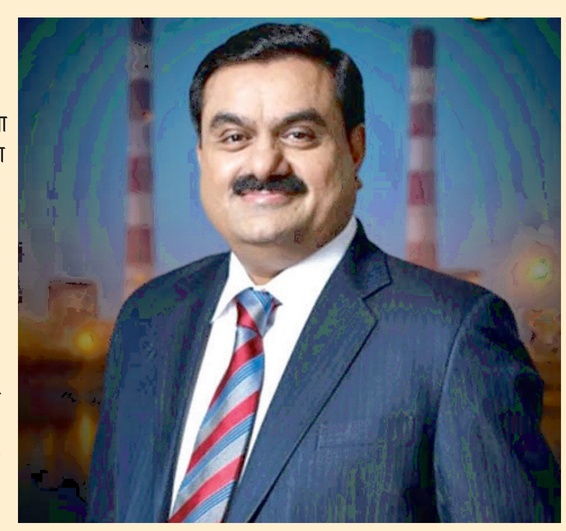

सड़क किनारे कार का ताला खोल रहे चार लोगों को टेंपो ने कुचला, एक की मौत

पूर्वी दिल्ली के सेवाधाम रोड पर शनिवार रात सड़क किनारे खड़े होकर स्केल से कार का दरवाजा खोल रहे चार लोगों को टेंपो ने कुचल दिया। हादसे के बाद आरोपित चालक टेंपो को मौके पर ही छोड़कर पैदल भाग गया।

पूर्वी दिल्ली। सेवाधाम रोड पर शनिवार रात सड़क किनारे खड़े होकर स्केल से कार का दरवाजा खोल रहे चार लोगों को टेंपो ने कुचल दिया। हादसे के बाद आरोपित चालक टेंपो को मौके पर ही छोड़कर पैदल भाग गया।

चारों घायलों को इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने किरणपाल सिंह को मृत घोषित कर दिया। घायल देवेंद्र, चमन और अनिल का इलाज चल रहा है। हर्ष विहार थाना पुलिस प्राथमिकी पंजीकृत कर टेंपो को कब्जे में लेकर मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजन को सौंप दिया है।

शादी की तैयारियों में जुटे थे किरणपाल

किरणपाल अपने परिवार के साथ हर्ष विहार डी-ब्लॉक में रहते थे। परिवार में पत्नी बृजेश्वरी, दो बेटे गौरव और चंद्रशेखर और एक बेटी है। किरणपाल एक होटल में नौकरी करते थे। परिवार ने बताया कि शनिवार को किरणपाल छुट्टी पर थे। अगले वर्ष 19 अप्रैल को उनकी बेटी की शादी है। वह उसको लेकर तैयारियों में जुटे हुए थे। वह शनिवार शाम को तैयारियों के सिलसिले में अपने दोस्त देवेंद्र और चमन के पास स्वामी दयानंद अस्पताल के पास गए थे। रात के वक्त वह अपने दोनों दोस्तों के साथ कार से घर लौट रहे थे।

स्केल से गेट खोलने की कोशिश

करीब साढ़े नौ बजे वह सेवा धाम रोड पर लघुशंका के लिए रूके। कार सड़क किनारे खड़ी कर दी। उसी दौरान कार की चाबी अंदर ही भूल गए और दरवाजा अंदर से बंद हो गया। उन्होंने कार का दरवाजा खोलने की काफी कोशिश भी की थी। सफलता नहीं मिली। इसके बाद चमन ने फोन करके अपने रिश्तेदार अनिल को स्केल लेकर मौके पर बुलाया।

दिल्ली में ठंड बढ़ने से घटी विजिबिलिटी, इस हफ्ते बारिश की भी संभावना; जानें अगले कुछ दिन कैसा रहेगा मौसम

दिल्ली में रविवार को सुबह की ठंड में तो और इजाफा नहीं हुआ लेकिन कोहरे के चलते दृश्यता का स्तर नीचे ही दर्ज किया जाएगा। ऐसे में रेल और हवाई यातायात भी प्रभावित हुआ। साथ ही दिल्ली– एनसीआर वासियों को भी परेशानी झेलनी पड़ी। स्काईमेट वेदर के अनुसार इस सप्ताह में दिल्ली में वर्षा होने की भी संभावना व्यक्त की गई है।

नई दिल्ली। दिल्ली में रविवार को सुबह की ठंड में तो और इजाफा नहीं हुआ, लेकिन कोहरे के चलते दृश्यता का स्तर नीचे ही दर्ज किया जाएगा। ऐसे में रेल और हवाई यातायात भी प्रभावित हुआ। साथ ही दिल्ली- एनसीआर वासियों को भी परेशानी झेलनी पड़ी।

रविवार सुबह दिल्ली का न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री कम 6.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। एक दिन पहले शनिवार को यह सामान्य से तीन डिग्री कम 5.5 डिगी सेल्सियस था। कोहरे के कारण रविवार को इसमें एक डिग्री की बढ़ोत्तरी देखी गई। दूसरी तरफ सुबह साढ़े आठ बजे सफदरजंग में दृश्यता का स्तर सिर्फ 700 एवं पालम में 800 मीटर तक रह गया।

लोधी रोड रहे सबसे ठंडे इलाके

वहीं दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 24.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। हवा में नमी का स्तर 100 से 35 रहा। सबसे कम अधिकतम तापमान 21.8 डिग्री के लिहाज से मुंगेशपुर और सबसे कम न्यूनतम तापमान 6.3 डिग्री की दृष्टि से लोधी रोड सबसे ठंडे इलाके रहे। दूसरी तरफ सुबह साढ़े आठ बजे सफदरजंग में दृश्यता का स्तर सिर्फ 700 मीटर और पालम में 800 मीटर तक रह गया।

सोमवार को हल्का कोहरा छाएगा

मौसम विभाग का अनुमान है कि सोमवार को भी सुबह हल्का कोहरा होगा। दिन में आसमान साफ रहेगा, धूप भी खिली रहेगी। अधिकतम तापमान 24 डिग्री और न्यूनतम सात डिग्री रह सकता है। कमोबेश ऐसा ही मौसम सप्ताह भर बना रहेगा। सुबह के बाद धीरे- धीरे दिन की ठंडक में भी इजाफा होगा। एक दो दिन में ही दिन का तापमान 23 डिग्री तक चला जाएगा। स्काईमेट वेदर के अनुसार इस सप्ताह में दिल्ली में वर्षा होने की भी संभावना है।

पति ने नई-नवेली दुल्हन को बेरहमी से पीटा, साले ने जीजा पर लगाए गंभीर आरोप

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा में एक दुल्हन की ससुराल में डोरी उतरी तो हाथ में मेहंदी लगाए कई सारे अरमान लेकर आई थी। शादी के बाद घर में खुशी का माहौल था। पुलिस में दी शिकायत में एक युवक ने बताया कि उसकी बहन की छह दिसंबर को शादी हुई थी। जीजा अपनी मां से झगड़ा कर रहे थे। इस बात को लेकर उनकी बहन यानिका बीच-बचाव करने पहुंची तो...

नोएडा। कोतवाली सेक्टर-126 क्षेत्र में हाथों में मेहंदी लगाई हजारों अरमान लेकर अपनी ससुराल में डोली से उतरी एक महिला को खुशियों के बजाय जिंदगीभर का गम मिल गया।

छह दिसंबर को हुई थी शादी

महिला के भाई की शिकायत पर पुलिस ने विवाहिता के पति के खिलाफ एक सप्ताह बाद मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला के भाई ने दर्ज एफआईआर में बताया कि उनकी बहन की शादी इसी माह दिसंबर 2023 को आरोपी के साथ शादी हुई थी। वह नोएडा के सेक्टर-94 स्थित सुपरनोवा वेस्ट रेसीडेंसी में रहते हैं।

पीड़ित का आरोप है कि 7 दिसंबर की सुबह करीब 2.30 से 3 बजे के बीच जीजा अपनी मां से झगड़ा कर रहे थे। इस बात को लेकर उनकी बहन ने बीच-बचाव किया तो उसका जीजा आक्रोशित हो गया।

पति ने दुल्हन के साथ की बेरहमी

आरोप है कि जीजा ने उसकी बहन को कमरे में बंद करके जमकर पीटा, जिससे उसके पूरे शरीर पर गहरे जख्म हो गए। यही नहीं बहन को कान से सुनाई भी नहीं दे रहा है।

उनका यह भी आरोप है कि उसके जीजा ने उसकी बहन के बाल भी नोच लिए, जिसकी वजह से उसे चक्कर आ रहा है। पीड़िता का मोबाइल फोन भी तोड़ दिया। पीड़ित के अनुसार गंभीर हालत में उसने अपनी बहन को दिल्ली स्थित कैलाश दीपक अस्पताल में भर्ती करवाया है।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपित के खिलाफ संबंधित धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपित की तलाश की जा रही है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

समय से फ्लैट न देने पर बिल्डर को 9 प्रतिशत ब्याज के साथ वापस करने होंगे रुपये, उपभोक्ता आयोग का फैसला

सेक्टर-15 पार्ट-2 निवासी पवित्रता यादव और कृष्णा कालोनी निवासी राखी यादव ने अपनी याचिका में बताया कि 2015 में उन्होंने भिवाड़ी में पीयूष स्क्वायर स्टूडियो अपार्टमेंट में दो फ्लैट बुक किए थे।दो महिलाओं ने अलग-अलग 5.05 लाख रुपये भी जमा कराए थे। उन्हें आश्वासन दिया गया था कि तीन साल के अंदर पजेशन दे दिया जाएगालेकिन पजेशन नहीं दिया गया। 2020 में उन्होंने उपभोक्ता आयोग में याचिका दायर कर दी।

गुरुग्राम। समय पर फ्लैट न देने पर उपभोक्ता आयोग ने बिल्डर कंपनी ने दो महिलाओं को नौ प्रतिशत ब्याज दर 10 लाख रुपये वापस देने का आदेश दिया है। कंपनी की तरफ से तीन साल के अंदर पैसा देने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन पांच साल में भी पजेशन भी नहीं दिया गया। यह आदेश उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के चेयरमैन संजीव जिंदल ने दिया है।

दो महिलाओं ने 2015 में बुक किए थे अलग-अलग फ्लैट

सेक्टर-15 पार्ट-2 निवासी पवित्रता यादव और कृष्णा कालोनी निवासी राखी यादव ने अपनी याचिका में बताया कि 2015 में उन्होंने भिवाड़ी में पीयूष स्क्वायर स्टूडियो अपार्टमेंट में दो फ्लैट बुक किए थे। दो महिलाओं ने अलग-अलग 5.05 लाख रुपये भी जमा कराए थे। उन्हें आश्वासन दिया गया था कि तीन साल के अंदर पजेशन दे दिया जाएगा, लेकिन पजेशन नहीं दिया गया। 2020 में उन्होंने उपभोक्ता आयोग में याचिका दायर कर दी।

साथ ही मुआवजे के तौर पर दिए जाए 50-50 हजार रुपये

आयोग ने पीयूष कालोनाइजर कंपनी को आदेश दिया है कि वह दोनों उपभोक्ताओं को नौ प्रतिशत ब्याज दर से पैसा वापस करें। इसके साथ ही 50-50 हजार रुपये मुआवजे के तौर पर दिए जाए। कानूनी प्रक्रिया में खर्च हुए पैसों को लेकर 22 हजार रुपये भी देने का आदेश दिया है।

शादी का झांसा देकर करता रहा दुष्कर्म, पेट में दर्द होने पर हुआ खुलासा; पीड़िता निकली छह माह की गर्भवती

इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र की एक कॉलोनी की किशोरी से युवक ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। पेट में दर्द होने पर जांच कराई तो किशोरी छह माह की गभर्वती निकली। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। 17 वर्षीय किशोरी ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र की एक कालोनी में परिवार के साथ रहती थी।

साहिबाबाद। इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र की एक कॉलोनी की किशोरी से युवक ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। पेट में दर्द होने पर जांच कराई तो किशोरी छह माह की गभर्वती निकली। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।

17 वर्षीय किशोरी ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र की एक कॉलोनी में परिवार के साथ रहती थी। उसकी पहचान उसके नाना के गांव के रहने वाले युवक से हो गई। दोनों मोबाइल पर बात करने लगे। वह भी इंदिरापुरम की उसी कालोनी में आकर रहने लगा।

आरोप है कि इसी वर्ष मई में युवक ने बहाने से घर बुलाया और शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देता था। जून में वह मां के साथ दादी के पास चंडीगढ़ रहने चली गई। उसके पेट में दर्द हुआ तो जांच कराई। जांच में सामने आया कि वह गर्भवती है। उसने दादी को जानकारी दी।

इंदिरापुरम थाने पहुंचकर आरोपित के खिलाफ लिखित शिकायत की। पुलिस उपायुक्त ट्रांस हिंडन ने बताया कि आरोपित के खिलाफ दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है।

शादी से दो दिन पहले युवक हुआ लापता, परिजनों ने पड़ोसियों पर लगाया अगवा करने का आरोप

गाजियाबाद के एक गांव से युवक शनिवार को संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। सोमवार को ही उसकी शादी है। स्वजन ने पड़ोसी आरोपितों पर अपहरण की आशंका जताई है। पुलिस तलाश में जुट गई है। शनिवार को वह दुकान से सामान लेने के लिए घर से निकला था। लेकिन रातभर भी नहीं लौटा। उसका मोबाइल भी कुछ ही देर में बंद हो गया।

गाजियाबाद। थाना क्षेत्र के एक गांव से युवक शनिवार को संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। सोमवार को ही उसकी शादी है। स्वजन ने पड़ोसी आरोपितों पर अपहरण की आशंका जताई है। पुलिस तलाश में जुट गई है।

एक गांव के रहने वाले व्यक्ति के मुताबिक, उनके भाई की 17 दिसंबर को शादी है। शनिवार को वह दुकान से सामान लेने के लिए घर से निकला था। लेकिन रातभर भी नहीं लौटा। उसका मोबाइल भी कुछ ही देर में बंद हो गया। स्वजन ने आसपास में पता किया। रिश्तेदारों व दोस्तों से भी पूछा लेकिन कहीं से भी कोई सुराग नहीं मिला। परेशान आकर रविवार को स्वजन मुरादनगर थाने पहुंचे और शिकायत की।

पड़ोसियों पर अगवा करने का आरोप

व्यक्ति ने बताया कि शादी की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी है। पड़ोसी कुछ आरोपित उनसे रंजिश रखते हैं। उन्हें शक है कि उन्हीं आरोपितों ने अपहरण कर लिया है। मामले में एसीपी मसूरी का कहना है कि लापता युवक की तलाश में पुलिस जुटी है। जल्द उसे बरामद कर लिया जाएगा।

राहुल फाजिलपुर ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने गाने की शूटिंग के लिए उपायुक्त कार्यालय से अनुमति ली थी।

अमेरिकन मूल के सांपों का गाने की शूटिंग में हुआ था इस्तेमाल, दिल्ली के झाड़ौदा से मंगवाए गए थे

परिवहन विशेष न्यूज

यूट्यूबर एल्विश यादव और मशहूर सिंगर राहुल फाजिलपुरिया द्वारा 32 बोर के गाने की शूट के दौरान विदेशी सांपों के इस्तेमाल के मामले में पुलिस को ओडिशा के जिला भुवनेश्वर वन्यजीव वार्डन के जवाब का इंतजार है। जांच में भुवनेश्वर वन्यजीव वार्डन से विदेशी मूल के सांप (एग्जॉटिक सांप) और छिपकली (इगुआना) रखने की अनुमति की बात सामने आई थी।

गुरुग्राम। यूट्यूबर एल्विश यादव और मशहूर सिंगर राहुल फाजिलपुरिया द्वारा 32 बोर के गाने की शूट के दौरान विदेशी सांपों के इस्तेमाल के मामले में पुलिस को ओडिशा के जिला भुवनेश्वर वन्यजीव वार्डन के जवाब का इंतजार है।

जांच में भुवनेश्वर वन्यजीव वार्डन से विदेशी मूल के सांप (एग्जॉटिक सांप) और छिपकली (इगुआना) रखने की अनुमति की बात सामने आई थी। इसके साथ ही पुलिस ने इस मामले में मशहूर सिंगर राहुल फाजिलपुरिया को भी जांच में शामिल किया है। राहुल फाजिलपुर ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने गाने की शूटिंग के लिए उपायुक्त कार्यालय से अनुमति ली थी।

सांप और छिपकली झाड़ौदा से मंगाए

इसके साथ ही उन्होंने पुलिस को बताया कि गाने के शूटिंग के दौरान इस्तेमाल हुए एग्जॉटिक सांप और छिपकली (इगुआना) दिल्ली के झाड़ौदा निवासी हार्दिक आनंद से मंगवाए गए थे। उनके पास इनको रखने की अनुमति है। पुलिस की तरफ से इस मामले में जब हार्दिक आनंद को जांच शामिल किया गया तो उन्होंने एग्जॉटिक सांपों को रखने की अनुमति पत्र दिखाए।

उनकी तरफ से तीन सांपों और एक छिपकली के बारे में दस्तावेज दिखाए गए। उसमें मैक्सिकन ब्लैक किंग प्रजाति का सांप, रेड टेल सांप व कॉर्न सांप और कामन छिपकली (इगुआना) के बारे में जानकारी मिली। सांपों को रखने के रजिस्ट्रेशन पत्र के सत्यापन के लिए पुलिस ने मुख्य वन्यजीव वार्डन भुवनेश्वर, ओडिशा को भेज दिया है।

कहां पाए जाते हैं सांपः

1. मैक्सिकन ब्लैक किंग सांपः अमेरिका के ऐरिजोना से मैक्सिको के बीच में पाया जाता है।

2. रेड टेल सांपः कोलंबिया, दक्षिण अमेरिका में पाया जाता है।

3. कॉर्न सांपः अमेरिका के जर्सी और फ्लोरिडा के बीच पाया जाता है।

4. कॉमन इगुआना (छिपकली) : मैक्सिको से ब्राजील के बीच में पाया जाता है।

इस मामले में पुलिस ने एटीआर अदालत में जमा कर दी है। अभी मुख्य वन्यजीव वार्डन, भुवनेश्वर से पत्र का जवाब नहीं आया है। इस मामले में अभी जांच चल रही है। - वरुण दहिया, एसीपी क्राइम

विधानसभा चुनावों की तरह ही लोकसभा चुनाव में भी भ्रष्टाचार बनेगा सबसे बड़ा मुद्दा

डॉ. आशीष वशिष्ठ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीती 23 अप्रैल को एक मीडिया संस्थान के कार्यक्रम में कहा था कि, भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी सरकार की कार्रवाई से कुछ लोग नाराज हैं। इसके बावजूद वह और उनकी सरकार भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद के खिलाफ इस लड़ाई से पीछे नहीं हटेगी।

इन दिनों सोशल मीडिया पर नोटों से भरी अलमारियों की कुछ तस्वीरों खूब वायरल हो रही हैं, जिनका संबंध कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और कारोबारी धीरज साहू से है। धीरज साहू के ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी की खबरें सुर्खियों में रहीं। ये छापेमारी झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में 9 ठिकानों पर हुईं। आयकर विभाग की इस छापेमारी में अब तक 351 करोड़ रुपए मिले हैं। साहू के ठिकानों में मिले बेहिसाब धनराशि ने फिर से एक बार देश में भ्रष्टाचार और कालेधन को लेकर बहस छेड़ दी है। इस मुद्दे पर भाजपा कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पर लगातार तंज कस रही है। राजनीति से इतर ये प्रकरण एक गंभीर मामला है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की पॉलिसी रही है। पहले कार्यकाल में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भ्रष्टाचार पर जबरदस्त वार किया गया था। दूसरे कार्यकाल में मोदी सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ और अधिक सख्ती से पेश आ रही है। इस साल 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन बुराइयों के खिलाफ लड़ाई का आह्वान किया था, जिनका देश सामना कर रहा है- भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण। अब बीती 8 दिसंबर को किया गया एक्स पर उनका पोस्ट देखिए, जनता से जो लूटा है, उसकी पाई-पाई लौटानी पड़ेगी, यह मोदी की गारंटी है। पीएम मोदी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ ऐलान-ए-जंग कर 2024 से पहले विपक्षी इंडिया गठबंधन के खिलाफ जबरदस्त प्रहार किया है। इस तरह उन्होंने लोकसभा चुनाव का एजेंडा और टोन को भी सेट कर दिया है।

याद कीजिए पीएम मोदी ने कहा था कि, न खाऊंगा और न किसी को खाने दूंगा। मोदी सरकार ने भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रखी है। हालिया पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन में शामिल दलों को भ्रष्टाचार के मुद्दे पर जमकर घेरा था। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में अपनी तकरीबन हर चुनावी रैली में पीएम भ्रष्टाचार का मुद्दा जोर-शोर से उठाते थे। कभी महादेव ऐप घोटाला तो कभी खनन घोटाला, कभी लाल डायरी में दर्ज काले कारनामे तो कभी भर्तियों में धांधली और पेपर लीक...।

राजस्थान की ऐसी ही एक रैली में पीएम मोदी ने लाल किले से दिए अपने भाषण की बातों को दोहराते हुए कहा कि भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण देश के 3 बड़े दुश्मन हैं। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस इन तीनों की ही प्रतीक है। इसी तरह छत्तीसगढ़ के कांकेर की रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गारंटी दी कि भ्रष्टाचारियों ने जो कुछ भी लूटा है, उसे लौटाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मैं गारंटी देता हूं, मैं छत्तीसगढ़ के युवाओं से कहता हूं- छत्तीसगढ़ को लूटने वाले चाहे कोई भी हों, चाहे कितने भी ताकतवर हों, उन्हें सब कुछ लौटाना होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने 23 जून को पटना में विपक्षी गठबंधन की पहली बैठक के बाद भी भोपाल में एक सभा में विपक्षी दलों की एकता के प्रयासों पर जमकर चुटकियां ली थीं। पीएम मोदी ने कहा था कि आजकल बार-बार एक शब्द आता है- गारंटी। ये सारे विपक्षी दल भ्रष्टाचार की गारंटी हैं। ये गारंटी हैं लाखों-करोड़ रुपयों के घोटालों की। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले इनका एक फोटोशॉप कार्यक्रम हुआ। उस फोटो में जो लोग हैं उन सब का मिल कर टोटल करेंगे तो ये सारे मिल कर कम से कम 20 लाख करोड़ रुपये के घोटाले की गारंटी हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बगैर किसी ठोस कार्यक्रम के समाप्त हुई विपक्षी दलों की बैठक पर प्रहार करते हुए कहा कि अकेले कांग्रेस का ही लाखों करोड़ों का घोटाला है। इन पार्टियों के पास घोटालों का ही अनुभव है और इसीलिए इनकी अगर कोई गारंटी है तो वो है- घोटालों की गारंटी।

अगर उनकी घोटाले की गारंटी है, तो मोदी की भी एक गारंटी है, हर घोटालेबाज पर कार्रवाई की गारंटी। आश्चर्य की बात यह है कि केंद्र सरकार के खिलाफ ईडी और सीबीआई के दुरुपयोग का आरोप लगाने वाले विपक्षी दलों में से किसी ने भी उस समय प्रधानमंत्री के आरोपों का खंडन तक नहीं किया। विपक्षी दल ईडी की कार्रवाई के विरोध में सुप्रीम कोर्ट से पहले ही मात खा चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की कार्रवाई के मामले में दखल देने से इंकार कर दिया था।

बीती 28 मार्च को भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय के विस्तार का लोकार्पण करने के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा था कि भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों पर जब एजेंसियां कार्रवाई करती हैं, तो एजेंसियों पर हमला किया जाता है और जब अदालत कोई फैसला सुनाती है, तो उस पर सवाल उठाए जाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह पूरा देश देख रहा है और समझ भी रहा है। भ्रष्टाचार ने हमारे देश का बहुत नुकसान किया है और उसे दीमक की तरह खोखला किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीती 23 अप्रैल को एक मीडिया संस्थान के कार्यक्रम में कहा था कि, भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी सरकार की कार्रवाई से कुछ लोग नाराज हैं। इसके बावजूद वह और उनकी सरकार भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद के खिलाफ इस लड़ाई से पीछे नहीं हटेगी। भले ही उनके विरोधी उनके खिलाफ कितना भी बड़ा गठबंधन बना लें, कार्रवाई नहीं रुकेगी।

भ्रष्टाचार पर मोदी सरकार का प्रहार लगातार जारी है। केंद्र की तरफ़ से संसद में रखी गई जानकारी में भी ये बात सामने आई है। सरकार ने संसद को बताया है कि जुलाई 2014 से दिसम्बर 2020 तक यानी बीते छह साल में 340 बड़े अधिकारियों को भ्रष्टाचार, अनियमितता या फ़रि अक्षमता के चलते जबरन रिटायर किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी के विपक्ष पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोपों को बल इस बात से मिलता है विपक्ष के कई नेता आज भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल में बंद हैं और कई जमानत पर बाहर हैं। विपक्षी नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के ज्यादातर मामलों में अदालत ने कोई राहत नहीं दी है। विपक्ष के लिए बेशक भ्रष्टाचार मिटाने का मुद्दा प्रमुख न हो, पर इस मामले में भारत की स्थिति भयावह है। करप्शन परसेप्शन इंडेक्स 2022 की 180 देशों की सूची में भारत को 40 अंकों के साथ 85वें पायदान पर रखा गया। निश्चित तौर पर राज्यों में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण ही भारत की यह स्थिति बनी है। विशेषकर विपक्षी दलों की सत्ता वाले राज्यों में भारी भ्रष्टाचार व्याप्त है। यह विपक्षी दलों के लिए कभी भी चिंता का विषय नहीं बना।

भ्रष्टाचार के खिलाफ ईडी, आईटी, सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाइयों को विपक्ष बदले की राजनीति करार देता है। लेकिन हालिया चुनाव नतीजों से उत्साहित केंद्र सरकार इन आरोपों से दबाव में आने वाली नहीं है, ये प्रधानमंत्री मोदी ने भी साफ कर दिया है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान विधानसभा चुनाव में बीजेपी की जबरदस्त जीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी दिल्ली में पार्टी मुख्यालय पहुंचे थे। वहां कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि विधानसभा चुनाव के नतीजे बताते हैं कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में बीजेपी को जनता का साथ मिल रहा है। इस तरह उन्होंने आने वाले लोकसभा चुनाव में भी भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को बड़ा मुद्दा बनाकर भुनाने के संकेत दे दिए हैं। यह निश्चित है कि जब तक विपक्षी दल भ्रष्टाचार सहित राष्ट्रहित से जुड़े अन्य मुद्दों पर अपना दृष्टिकोण साफ नहीं करेंगे तब तक एकता होने के बावजूद देश के लोगों का भरोसा जीतना आसान नहीं है। भाजपा विपक्षी दलों को लगातार निशाने पर लेती रहेगी और इस बार लोकसभा चुनाव में भ्रष्टाचार के मुद्दे की गूंज जोर शोर से सुनाई देगी।

देश की सबसे अधिक पसंद की जाने वाली कार में आखिर क्या कुछ है खास, यहां पढ़ें अधिक डिटेल्स

बोल्ड लुक डिजाइन बेहतर स्पेस और फ्यूल एफिशिएंट इंजन के कारण इसे काफी पसंद किया जाता है।वैगनआर की बात करें तो कंपनी के इस बेस मॉडल में 1.0 लीटर के सीरीज इंजन के साथ आती है।भारतीय बाजार में यह कार कुल 4 वेरिएंट में आती है। इसमें LXi VXi ZXi और ZXi+ वेरिएंट मिलता है। वहीं इस कार का LXi और VXi ट्रिम सीएनजी में भी आती है।

देश की सबसे बड़ी वाहन निर्माता कंपनी में से एक मारुति है। मारुति की एक कार जो युवा से लेकर हर आयु वर्ग के लोगों को काफी पसंद आता है। हम बात देश में सबसे अधिक बिकने वाली कार वैगनआर की कर रहे हैं। इस कार की कीमत 6 लाख रुपये से भी कम है। ये एक सस्ती हैचबैक कार है।

अपने बोल्ड लुक डिजाइन, बेहतर स्पेस और फ्यूल एफिशिएंट इंजन के कारण इसे काफी पसंद किया जाता है। वाहन निर्माता कंपनी ने इस कार की नवंबर में कुल 16,567 यूनिट्स की सेल की थी। चलिए आपको इस कार से जुड़ी खास डिटेल्स के बारे में बताते हैं जिसके कारण इसे अधिक पसंद किया जाता है।

Maruti Wagon R माइलेज

माइलेज की बात करें तो इस कार की माइलेज पेट्रोल में 25.19 किलोमीटर प्रति लीटर है, वहीं सीएनजी में इस कार का माइलेज 34.05 किलोमीटर प्रति किलो है।

Maruti WagonR इंजन

वैगनआर की बात करें तो कंपनी के इस बेस मॉडल में 1.0 लीटर के सीरीज इंजन के साथ आती है। जबकि इसके टॉप मॉडलों में ये 1.2 लीटर इंजन के साथ आती है। 1.0 लीटर इंजन के साथ सीएनजी का ऑप्शन भी मिलता है।

Maruti WagonR फीचर्स

फीचर्स की बात करें तो इस कार में 7-इंच टचस्क्रीन डिस्प्ले, 4-स्पीकर म्यूजिक सिस्टम और स्टीयरिंग-माउंटेड ऑडियो कंट्रोल्स ,डुअल फ्रंट एयरबैग, ईबीडी के साथ एबीएस, रियर पार्किंग सेंसर और हिल-होल्ड असिस्ट मिलता है। इस कार का मुकाबला सेलेरियो, टाटा टियागो और सिट्रोएन सी3 से है।

Maruti WagonR कीमत

भारतीय बाजार में यह कार कुल 4 वेरिएंट में आती है। इसमें LXi, VXi, ZXi, और ZXi+ वेरिएंट मिलता है। वहीं इस कार का LXi और VXi ट्रिम सीएनजी में भी आती है। ये कार आराम से आपके बजट में भी आती है। इस कार की एक्स शोरूम कीमत 5.54 लाख रुपये से शुरू होकर 7.42 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक जाती है।

ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर को खरीदने का शानदार मौका, कंपनी ने लॉन्च किया नया प्रोग्राम

कंपनी ने इस प्रोग्राम का नाम ,DecemberToRemember रखा है। इस प्रोग्राम के तहत कंपनी अपनी ओला इलेक्ट्रिक की एस 1 मॉडल के लिए हर रेफरल पर 3 हजार रुपये तक का दे सकती है।ओला ने इस रेफरल प्रोग्राम में ओला के एस1 सीरीज खरीदने पर अपने दोस्तों या रिश्तेदारों को प्रत्येक रेफर करने पर 3 हजार रुपये तक का कैशबैक मिल सकता है।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक वाहनों की डिमांड दिन पर दिन काफी तेजी से बढ़ते जा रही है। भारत की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी ओला ने अपनी मार्केट को बढ़ाने के लिए एक नया प्रोग्राम लॉन्च किया है। कंपनी ने इस प्रोग्राम का नाम #DecemberToRemember रखा है। इस प्रोग्राम के तहत कंपनी अपनी ओला इलेक्ट्रिक की एस 1 मॉडल के लिए हर रेफरल पर 3 हजार रुपये तक का दे सकती है। ओला ने इस रेफरल प्रोग्राम में ओला के एस1 सीरीज खरीदने पर अपने दोस्तों या रिश्तेदारों को प्रत्येक रेफर करने पर 3 हजार रुपये तक का कैशबैक मिल सकता है। इस प्रोग्राम को 8 से 10 दिसंबर तक चलाया जा सकता है। इस समय ओला इलेक्ट्रिक एस 1 की कीमत 1लाख30 हजार रुपये है।

अच्छी डील में खरीद सकते हैं

इस साल के अंत तक आप ओला के इस मॉडल को खरीद कर #DecemberToRemember के तहत अच्छी डील में खरीद सकते हैं। इसके तहत नए S1 X+ की कीमत में अब 20 हजार रुपये तक की छूट मिल रही है। जिसके तहत अब ये स्कूटर आपको 89,999 रुपये में मिल जाएगा।

पोर्टफोलियो में कुल पांच स्कूटर को लॉन्च किया है

अभी के समय में ओला ने अपने पोर्टफोलियो में कुल पांच स्कूटर को लॉन्च किया है। S1 Pro की कीमत 1,47,499 है, जबकि S1 Air 1,19,999 है। S1 X (3kWh) और S1 X (2kWh) के लिए रिजर्वेशन विंडो केवल 999 रुपये में खुली है। वहीं S1 X (3kWh) और S1 X (2kWh) स्कूटर की कीमत 99,999 रुपये और 89,999 रुपये है।

100 सीसी सेगमेंट में सबसे अधिक बिकती है Bajaj और Hero की ये शानदार बाइक, यहां पढ़ें इंजन से फीचर्स तक की डिटेल्स

Best Mileage Bike ये कम खर्च में सबसे अधिक माइलेज देने वाली बाइक्स है। ऐसे में आप फ्यूल भी बचा सकते हैं और आपके जेब पर भी असर कम पड़ता है। इस खबर के माध्यम से आपको इन दोनों बाइक्स के फीचर्स इंजन और कीमत के बारे में बताने जा रहे हैं। चलिए आपको इसके बारे में और अधिक जानकारी देते हैं।

भारतीय बाजार में टू -व्हीलर की डिमांड काफी तेजी से बढ़ते जा रही है। इस समय सबसे अधिक बिकने वाली दो मोटरसाइकिल बिक रही है। Bajaj Platina 100 और Hero SPLENDOR+ XTEC इस समय काफी अधिक बिक रही है। ये दोनों बाइक्स 100 सीसी सेगमेंट में आती है। ये कम खर्च में सबसे अधिक माइलेज देने वाली बाइक्स है। ऐसे में आप फ्यूल भी बचा सकते हैं और आपके जेब पर भी असर कम पड़ता है। आज हम इस खबर के माध्यम से आपको इन दोनों बाइक्स के फीचर्स इंजन और कीमत के बारे में बताने जा रहे हैं। चलिए आपको इसके बारे में और अधिक जानकारी देते हैं।

Hero SPLENDOR+ XTEC फीचर्स

मार्केट में हीरो लोगों के दिलो पर आज से ही नहीं कई समय से राज करते आ रही है। इस बाइक में आपको कई दमदार फीचर्स मिलते हैं। इसमें आपको डिजिटल कंसोल, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, यूएसबी चार्जिंग पोर्ट और रियल टाइम माइलेज रीडआउट भी मिलता है। इसके साथ ही इसमें साइड स्टैंड, इंजन कटऑफ और कॉल-एसएमएस अलर्ट जैसे शानदार फीचर्स भी मिलते हैं। यहीं खासियतें इस मोटरसाइकिल को काफी दमदार बनाती है जिसके कारण इस बाइक को काफी पसंद किया जाता है।

इंजन

इस मोटरसाइकिल में आपको 4 कलर ऑप्शन -टोरनाडो ग्रे, स्पार्कलिंग बीटा ब्लू, कैनवास ब्लैक और पर्ल वाइट मिलते हैं। इस बाइक के इंजन की बात करें तो इसमें 97.2cc का इंजन मिलता है। ये एयर कूल्ड सिंगल सिलेंडर इंजन के साथ आती है। जो 7.9 बीएचपी की पावर और 8.05 न्यूटन मीटर टॉर्क जेनरेट करता है। इसमें इंजन को स्टार्ट और स्टॉप का ऑप्शन मिलता है। इस बाइक की कीमत 79,911 रुपये है।

Bajaj Platina 100 के फीचर्स और स्पेसिफिकेशन

Bajaj Platina 100 में भी आपको कई दमदार फीचर्स मिलते हैं। इसके फ्रेम, एग्जॉस्ट और ग्रेब रेल को काले रंग से पेंट किया गया है। इसके अलावा इसके बाइक का डिजाइन काफी दमदार है। आपको दिखने में बेसिक सा लगता है। Bajaj Platina 100 डुअल शॉक सस्पेंशन के साथ 17 इंच के साथ आती है। इसके दोनों टायरों में ड्रम ब्रेक मिलता है। इसमें इलेक्ट्रिक स्टार्ट वर्जन के फ्रंट में डिस्क ब्रेक मिलता है।

इंजन और पावर

Bajaj Platina 100 में 102 सीसी का फ्यूल एफिशिएंट डीटीएस-आई इंजन मिलता है। जो 7.9 बीएचपी और 8.3 एनएम का आउटपुट जनरेट करता है। इसमें 11 लीटर का फ्यूल टैंक मिलता है। इस मोटरसाइकिल की कीमत 67 808 रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) से शुरू है। इसमें 110 सीसी के ड्रम ब्रेक वेरिएंट की कीमत 70,400 रुपये है।

भारत में लॉन्च हुई नई Apache RTR 160 4V मोटरसाइकिल, इन बाइक्स को देगी कड़ी टक्कर

अन्य हार्डवेयर स्पेक्स 2024 TVS Apache RTR 160 4V के लिए पहले जैसे ही हैं। बाइक को पावर देने वाला 159.7 cc ऑयल कूल्ड SOHC Fi इंजन है। स्पोर्ट मोड में इंजन 17.75 पीएस की अधिकतम पावर और 14.73 एनएम की पीक टॉर्क जेनरेट करता है। अर्बन और रेन मोड में आउटपुट 15.64 पीएस और 14.14 एनएम है। इंजन 5-स्पीड गियरबॉक्स से जुड़ा है।

नई दिल्ली। टीवीएस ने नई Apache RTR 160 4V को इंडियन मार्केट में लॉन्च कर दिया है। इस बाइक की शुरुआती कीमत 1.35 lakh रुपये एक्स-शोरूम रखी गई है। आइये जानते हैं इस बाइक से जुड़ी सारी जरूरी डिटेल्स के बारे में।

कब शुरू होगी डिलीवरी?

बुकिंग फिलहाल पूरे भारत में शुरू हो गई है और डिलीवरी अगले साल की शुरुआत में शुरू होने की उम्मीद है।

पहले से कितना बदल गई ये बाइक?

टीवीएस अपाचे आरटीआर 160 4वी का 2024 संस्करण एक विशेष लाइटनिंग ब्लू रंग शेड में पेश किया जा रहा है। लाइटनिंग ब्लू अपाचे आरटीआर 160 4वी के लिए बिल्कुल सही लगता है। नया नीला शेड फ्रंट फेंडर, हेडलैंप काउल, इंजन काउल, फ्यूल टैंक और काउल और सीट पैनल के नीचे लगाया गया है। बाइक में कॉन्ट्रास्टिंग शेड में स्पोर्टी ग्राफिक्स भी हैं। सीट कवर और अलॉय व्हील्स जैसे हिस्सों पर विपरीत लाल रंगों के साथ शक्ति और प्रदर्शन की भावना को और बढ़ाया जाता है।

कितना दमदार है इसका इंजन?

अन्य हार्डवेयर स्पेक्स 2024 TVS Apache RTR 160 4V के लिए पहले जैसे ही हैं। बाइक को पावर देने वाला 159.7 cc, ऑयल कूल्ड, SOHC, Fi इंजन है। स्पोर्ट मोड में, इंजन 17.75 पीएस की अधिकतम पावर और 14.73 एनएम की पीक टॉर्क जेनरेट करता है। अर्बन और रेन मोड में आउटपुट 15.64 पीएस और 14.14 एनएम है। इंजन 5-स्पीड गियरबॉक्स से जुड़ा है।

इन बाइक्स को देगी कड़ी टक्कर

नई टीवीएस अपाचे आरटीआर 160 4वी होंडा सीबी हॉर्नेट 2.0 और हीरो एक्सट्रीम 160आर को टक्कर देगी।

सरल नहीं होता हैं मोहन यादव, विष्णु देव साय और भजन लाल शर्मा हो जाना

प्रवीण गुगनानी

पहला संस्मरण मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव जी का है, इसे मैंने वर्ष 2021 में मेरे ब्लॉग व सोशल मीडिया के अन्य प्लेटफार्म्स पर भी पोस्ट किया था। मोहन यादव जी से मेरी भेंट, चर्चा व जान पहचान का अत्यंत सीमित दायरा ही था।

भारतीय जनता पार्टी में एक टर्म या शब्द चलता है, "देवतुल्य कार्यकर्ता" यह शब्द बड़ा ही विशेष है ! जहां विश्व के तमाम राजनैतिक दलों या यूं भी कह सकते हैं कि विश्व के सभी प्रकार के संगठनों में ऐसा शब्द सुनने-बोलने में नहीं आता है, वहीं भाजपा में यह शब्द चरितार्थ होता हुआ भी दिखाई पड़ता है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु साय जी भी ऐसे ही व्यक्ति हैं किंतु उनका कोई अनुभव, भेंट या संस्मरण मेरे पास दुर्योग से नहीं है। मध्य प्रदेश व राजस्थान के नवनियुक्त मुख्यमंत्री मोहन यादव व भजनलाल शर्मा के संबंध में देवतुल्य कार्यकर्ता शब्द सिद्ध होता है। ये दोनों व्यक्ति अपने संगठन के कार्यकर्ता को देवतुल्य मानते हैं; ये मेरा व्यक्तिगत अनुभव व संस्मरण है।

पहला संस्मरण मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव जी का है, इसे मैंने वर्ष 2021 में मेरे ब्लॉग व सोशल मीडिया के अन्य प्लेटफार्म्स पर भी पोस्ट किया था। मोहन यादव जी से मेरी भेंट, चर्चा व जान पहचान का अत्यंत सीमित दायरा ही था। मोहन जी मप्र के उच्च शिक्षा मंत्री थे तब मैंने उन्हें छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद सदस्य होने के नाते एक पत्र लिखा था। एक दिन अचानक बिना पूर्व सूचना के मैं उनके भोपाल स्थित कार्यालय पहुँच गया। अंदर मेरे जाने की सूचना पर्ची के माध्यम से गई और उन्होंने मुझे तत्काल ही अंदर बुलवा लिया। जैसे ही मैंने उनके कक्ष में प्रवेश किया, मोहन जी तत्क्षण बोलना प्रारंभ किया- प्रवीण जी, आपने जिस महाविद्यालय के लिए राशि पिछले माह मांगी थी उसका स्वीकृति पत्र लेकर जाइए ! ! और इसके तत्काल बाद उन्होंने मुझे मेरे प्रस्ताव की प्रशासकीय स्वीकृति सहित बजट आवंटन का पत्र मेरी हाथों में थमा दिया था। मुझे बड़ा घनघोर आश्चर्य हुआ। मैं दांतों तले अंगुली दबाने को विवश हो गया। मैं ठहरा संघ-भाजपा का अत्यंत छोटा व मामूली-सा कार्यकर्ता और मेरे एक मामूली से पत्र के सारे सारे के सुझावों व मांगों को मानते हुए इतने बड़े बजट के आवंटन को देखते हुए मैं आश्चर्यचकित ही नहीं अपितु भावविभोर भी हो गया था। मेरे बड़े ही संक्षिप्त, अल्प आग्रह पर मप्र के उच्च शिक्षा मंत्री मोहन जी यादव ने बैतुल के जयवंती हक्सर महाविद्यालय हेतु 9.18 करोड़ व आठनेर महाविद्यालय हेतु 3.53 करोड़ रु. भवन निर्माण हेतु स्वीकृत कर दिये थे। पत्र देते हुए उन्होंने यह भी कहा कि, आपके आग्रह के अनुसार शाहपुर महाविद्यालय के बजट का आवंटन शेष रहा है वह भी शीघ्र ही मिल जाएगा।

भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने यदि मोहन जी यादव को मुख्यमंत्री मनोनीत करने का निर्णय लिया है तो निश्चित ही उन्होंने भाजपा के लाखों कार्यकर्ताओं, संगठन, समाज व अपने कर्तव्य के प्रति मोहन जी की इस परायणता, समर्पण व चैतन्यता को देखकर ही किया होगा। आज उनके मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रथम दिवस पर उनकी कर्तव्य परायणता के भाव को नमन सहित उन्हें बधाई व शुभकामनाएँ ! !

दूसरा संस्मरण राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जी का है, अप्रैल, 2021 में वो बड़े भारी और भयंकर कोविड महामारी के दिन थे। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव चल रहे थे। उन दिनों मप्र से लेकर बंगाल तक पूरे देश के श्मशान में शवों के दाह संस्कार के हेतु लाइनें लगा करती थी। परिजनों के शवों का अंतिम संस्कार करना भी एक चुनौतीपूर्ण कार्य हो गया था। मौत अपने चरम रूप को दिखाते हुए तांडव कर रही थी। समूचे देश में चीख पुकार और हाहाकार मचा हुआ था। उन दिनों में अपने घर से दो हज़ार किमी की यात्रा करके पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार हेतु जाना पागलपन ही था। यह पागलपन भजन लाल जी शर्मा और मैंने कर लिया था। हम दोनों ही अनेकों कार्यकर्ताओं की भांति अपने अपने प्रदेश से पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में भाजपा के प्रचार कार्य हेतु पहुंचे हुए थे। भजन लाल जी व मेरा वहां पहली बार परिचय हुआ था। भजन लाल जी व मुझमें एक समानता थी, दोनों के ही पारिवारिक परिजन सुबह शाम घर वापस लौटने हेतु रोते, चीखते और क्रोधित होकर फोन किया करते थे, और हम; इन पत्नी, पिता, माता, भाई, बच्चों के इन फोन कॉल्स से व्यथित होकर भी काम में लगे रहते थे। प्रतिदिन हम परिवार से आने वाले इन फ़ोन कॉल्स की चर्चा किया करते थे। परिवार जनों से झूठ कहते थे कि फ्लाइट नहीं है या, टिकिट नहीं हो रही या कैलाश जी विजयवर्गीय और अरविंद जी मेनन आने नहीं दे रहे हैं।

राजस्थान के नवनियुक्त मुख्यमंत्री भजन लाल जी शर्मा, कूचबिहार के निशीथ जी और मैं पश्चिम बंगाल विस चुनाव के समय कोलकाता मुख्यालय में रुके थे। हम तीनों का साथ प्रतिदिन सुबह पांच से सात बजे तक का होता था। सुबह का योग व्यायाम, फिर पांच सात किमी की सैर और लौटकर सुबह का अल्पाहार भजन लाल जी के संग ही होता था मेरा। फिर दिन भर वो अपने रास्ते और हम अपने रास्ते निकल जाते थे। एक दिन तो हम कुछ दस बारह किमी की पदयात्रा करके नेताजी सुभाषचंद्र बोस के निवास स्थान पर बने स्मारक तक भी पहुँच गये थे। संलग्न चित्र कोलकाता के नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्मारक के सामने का ही है। तब सुबह सुबह वह स्मारक खुला भी नहीं था और हमें बाहर से ही दर्शन करके लौटना पड़ा था।

भजन लाल जी और मेरा रात्रि का भोजन और उसके बाद की सैर और पान खाना और लंबी गपशप करना भी साथ में होता था। और हां, इस गपशप में कोविड के दिल दहला देने वाले और हृदय को भीतर तक चीर देने वाले किस्से अवश्य ही हुआ करता था। प्रतिदिन जब कोरोना से मृत्यु का डर मुझ पर हावी होता था तब भजन लाल जी केवल मुझे ही नहीं बल्कि मेरे जैसे दसियों कार्यकर्ताओं को हिम्मत बंधाते और साहस देते नजर आते थे।

बड़े विनम्र किंतु सख्त, हंसमुख के साथ गंभीर, अच्छे नियोजक किंतु सरल, चटोरे किंतु शुद्ध शाकाहारी, उन्मुक्त किंतु निर्व्यसनी, सहज चर्चा करने वाले किंतु उत्तम वक्ता, कम बोलने वाले किंतु मित्रों के साथ मुखर; प्रकार के व्यक्ति हैं, भजन लाल जी ! ! अनंत शुभकामनाएं एवं बधाई और आपके चरितार्थ होते देवतुल्य कार्यकर्ता भाव के चिरंजीवी होने हेतु मंगल कामनाएं।

संपादक की कलम से

स्वदेशी के मंत्र ने भारत के आर्थिक विकास को नये पंख लगा दिये हैं

भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गई है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्रीय वार्ता को संबोधित करते हुए सतत विकास के प्रति देश की प्रतिबद्धता पर बल दिया। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन को रेखांकित करते हुए उन्होंने भविष्यवाणी की कि 2027 तक भारत जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारत के आर्थिक विकास में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वॉकल फोर लॉकल का आह्वान आर्थिक विकास आधार बन रहा है। स्व-भाव एवं स्वदेशी के मंत्र ने आर्थिक विकास को पंख लगाये हैं जिससे अर्थ की गाड़ी तेज रफ्तार से दौड़ने लगी है। भारत की आर्थिक तरक्की दुनिया को स्तंभित करने लगी है, क्योंकि भारत का घरेलू बाजार ही इतना विशाल है कि भारत को विदेशी व्यापार पर बहुत अधिक निर्भरता नहीं करनी पड़ रही है। भारत के बाजार से कई देशों का आर्थिक विकास होता रहा है, अब स्वदेश जागरण से देश का अर्थ देश में ही रहने लगा है।

चीन की अर्थव्यवस्था सबसे तेज गति से दौड़ी थी और चीन के आर्थिक विकास में विदेशी व्यापार का सर्वाधिक योगदान था परंतु आज भारत की आर्थिक प्रगति में घरेलू कारकों एवं मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों का प्रमुख योगदान है। वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, भारत की आर्थिक वृद्धि केवल 7 प्रतिशत से कम होने का अनुमान है, जो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक है। सकल घरेलू उत्पाद 5 ट्रिलियन अमरीकी डालर को पार कर जाएगा। भारत की 'नीली अर्थव्यवस्था' का सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 4 प्रतिशत का योगदान है, जो अवसरों के सागर का प्रतिनिधित्व करता है। तट के किनारे नौ राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों, 12 प्रमुख और 200 से अधिक गैर-प्रमुख बंदरगाहों और नौगम्य जलमार्गों के व्यापक नेटवर्क के साथ, भारत महासागर आधारित व्यापार में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में खड़ा है।

भारत के आर्थिक विकास में प्रधानमंत्री की नित-नयी आर्थिक योजनाओं, अपनी जड़ों एवं माटी से जुड़ने, स्वदेशी अपनाने की प्रेरणा एवं विदेश यात्राओं का भी योगदान है। भारत-मध्य पूर्व-यूरोप कनेक्टिविटी कॉरिडोर (आईएमईसी) सबसे आशाजनक कनेक्टिविटी परियोजनाओं में से एक है। 18वें जी-20 शिखर सम्मेलन में हस्ताक्षरित, आईएमईसी एक मल्टीमॉडल आर्थिक गलियारा है जिसमें शिपिंग, रेलवे, रोडवेज, बिजली केबल, हाई-स्पीड डेटा केबल और एक हाइड्रोजन पाइपलाइन शामिल है। गलियारे का उद्देश्य परिवहन दक्षता को बढ़ाना, रसद लागत को कम करना, आर्थिक एकता को बढ़ावा देना, रोजगार उत्पन्न करना और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करके एक स्वच्छ, सुरक्षित दुनिया में योगदान देना है। भारत चीन से भी आगे निकलकर विश्व में सबसे अधिक आबादी वाला देश बन चुका है, बड़ी आबादी को आर्थिक विकास का माध्यम बनाने में सरकार की सूझबूझ एवं योजनाएं कारगर साबित हो रही है। बड़ी आबादी के अनेक तरह के नुकसान हैं तो इसी से भारत में उत्पादों का उपभोग तेजी से बढ़ रहा है। इस तरह भारत न केवल उत्पादों के उपभोग का प्रमुख केंद्र बन बन रहा है बल्कि विश्व के लिए एक विनिर्माण केंद्र के रूप में भी उभर रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत पूर्व में ही वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े केंद्र के रूप में विकसित हो चुका है। भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार वर्तमान स्तर 3.50 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2031 तक 7.5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच जाएगा और इस प्रकार भारतीय अर्थव्यवस्था अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी।

राय

अंतरिक्ष में नासा के दबदबे को खत्म करने का संकल्प पूरा करने के करीब पहुँच चुका है चाइना

को अंतरिक्ष में अपने मिशनों के लिए एक विकल्प की जरूरत है जोकि वह उपलब्ध करायेगा। जरा सोचिये ! चीन जब धरती पर रह कर ही दुनिया की इतनी जासूसी करता है तो ऐसे में यदि अंतरिक्ष में उसकी बादशाहत हो गयी तो वह अपना पूरा अमला ही दुनिया की निगरानी करने में लगा देगा।

जहां तक अंतरिक्ष में चीनी स्टेशन की बात है तो उसके बारे में बताया गया है कि चीनी अंतरिक्ष स्टेशन का परिचालन जीवनकाल 15 वर्ष से अधिक होगा। पहले इसका जीवनकाल मात्र 10 वर्षों का ही बताया गया था। हम आपको बता दें कि चीन का स्व-निर्मित अंतरिक्ष स्टेशन, जिसे तियांगोंग या चीनी में सेलेस्टियल पैलेस के रूप में भी जाना जाता है, वह 2022 के अंत से पूरी तरह चालू हो गया है। चीन का अंतरिक्ष स्टेशन 450 किमी (280 मील) की कक्षीय ऊंचाई पर है और अभी यहां अधिकतम तीन अंतरिक्ष यात्री रह सकते हैं। अभी चीन का जो अंतरिक्ष स्टेशन है वह आईएसएस के मुकाबले 40 प्रतिशत ही है क्योंकि नासा के नेतृत्व वाला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन एक साथ सात अंतरिक्ष यात्रियों को संभाल सकता है जबकि चीन का स्टेशन मात्र तीन अंतरिक्ष यात्रियों को ही एक साथ रख सकता है। इसीलिए चीन ने अब अपने अंतरिक्ष स्टेशन के छह मॉड्यूल तक विस्तार की योजना बनाई है। हम आपको बता दें कि दो दशकों से ज्यादा समय से अंतरिक्ष में मौजूद आईएसएस के 2030 के बाद निष्क्रिय होने की उम्मीद है। उससे पहले चीन का प्रयास है कि वह एक प्रमुख अंतरिक्ष शक्ति बन जाये। हम आपको यह भी बता दें कि चीन के सरकारी मीडिया ने पिछले साल कहा था कि तियांगोंग पूरी तरह से चालू हो गया है। चीन ने यह भी कहा था कि ऐसे में जबकि आईएसएस अपना जीवनकाल समाप्त होने की ओर बढ़ रहा है तब चीन अपने अंतरिक्ष कार्यक्रमों में कोई ढील नहीं देगा। चीन का यह भी दावा है कि कई देशों ने अपने अंतरिक्ष यात्रियों को चीनी स्टेशन पर भेजने के लिए आग्रह करना शुरू भी कर दिया है। हालांकि चीन के दावे पर एक तरह से सवाल उठाते हुए यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) ने कहा है कि उसके पास चीनी अंतरिक्ष स्टेशन पर अपने यात्रियों को भेजने के लिए बजट ही नहीं था इसलिए यूरोपीय अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने की योजना को बहुत पहले ही ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। बहरहाल, जहां तक चीन की अंतरिक्ष कूटनीति की बात है तो इसमें कोई दो राय नहीं कि वह वर्षों से इस दिन की प्रतीक्षा के लिए प्रयास कर रहा था और अब वह अंतरिक्ष में नासा के दबदबे को खत्म करने का संकल्प पूरा करने के करीब पहुँच चुका है। हालांकि विस्तारवादी चीन के खतरनाक मंसूबों ने अंतरिक्ष में एक नई दौड़ को जन्म दे दिया है। देखा जाये तो आईएसएस से अलग होने के बाद चीन अंतरिक्ष क्षेत्र में अपने बढ़ते प्रभाव के चलते अमेरिका के लिए बहुत बड़ी चुनौती भी बन गया है। वैसे, अंतरिक्ष में सिर्फ चीन ही अपना सिक्का नहीं जमा रहा बल्कि भारत और रूस समेत अन्य देश भी अपनी योजनाएं बना रहे हैं। आईएसएस से अलग होने की घोषणा के बाद रूस ने भी अंतरिक्ष कूटनीति की कुछ योजनाएं बना कर काम शुरू कर दिया है। रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस ने पिछले साल कहा था कि वह छह मॉड्यूल वाला एक अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की योजना बना रही है, जिसमें चार अंतरिक्ष यात्री रह सकेंगे। हम आपको यह भी बता दें कि ब्रिक्स समूह में रूस के भागीदार देश ब्राजील, भारत और दक्षिण अफ्रीका भी अपने अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एक मॉड्यूल का निर्माण करने की दिशा में प्रयास कर रहे हैं।

डॉ. रमेश ठाकुर

370 हटाये जाने के कानूनी पहलुओं को लेकर वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी दुबे से बातचीत

वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी दुबे ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि 370 पर आया फैसला स्वागत योग्य निर्णय है। भारत का अभिन्न अंग कहा जाने वाला प्रदेश जम्मू-कश्मीर कागजों में बेशक एक रहा हो, लेकिन मौखिक रूप से अनुच्छेद-370 के रहते वो हिंदुस्तान से सदैव कटा ही रहा। पर, अब एकीकृत हो चुका है।

केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी करके दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांट दिया था। जिस पर खूब राजनीतिक विरोध हुआ, तब सरकार को कठोर भी होना पड़ा। विरोधी नेताओं को महीनों नजरबंद करना पड़ा। मामला सर्वोच्च अदालत तक पहुंचा, जिस पर विगत दिनों फैसला सुनाया गया। कोर्ट ने अपने फैसले में केंद्र सरकार के निर्णय को जायज ठहराया। कोर्ट का साफ कहना है कि अनुच्छेद-370 जम्मू-कश्मीर के लिए अस्थायी प्रावधान था और उसे निरस्त करने का हक राष्ट्रपति को है। फैसले को कानून की नजर से कानूनविद् व सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील अश्विनी दुबे कैसे देखते हैं। इस संदर्भ में उनसे पत्रकार डॉ. रमेश ठाकुर ने विस्तृत बातचीत की। पेश हैं बातचीत के मुख्य अंश-

प्रश्नः सुप्रीम कोर्ट के फैसले को कैसे देखते हैं आप ?

उत्तर- स्वागत योग्य निर्णय है। भारत का अभिन्न अंग कहा जाने वाला प्रदेश जम्मू-कश्मीर कागजों में बेशक एक रहा हो, लेकिन मौखिक रूप से अनुच्छेद-370 के रहते वो हिंदुस्तान से सदैव कटा ही रहा। पर, अब एकीकृत हो चुका है। पढ़ा-लिखा समाज और कानून के ज्ञाता अच्छे से समझते थे कि अनुच्छेद-370 अस्थाई था और पूर्णतः विभाजनकारी भी। उसके हटने से मातम नहीं मनाना चाहिए, बल्कि खुश होना चाहिए। हालांकि, मुट्ठी भर लोग अब भी विरोध में हैं और शायद आगे भी रहेंगे। लेकिन एक वक्त आएगा जब वह भी अपने निर्णय पर पछताएंगे। अनुच्छेद-370 के हटने से जम्मू-कश्मीर में हर ओर सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहे हैं। जहां तक मेरा मत है जब कानून ने अपनी सुप्रीम मुहर लगा दी है तो अब बिना वजह का विरोध नहीं करना चाहिए।

प्रश्नः क्या वहां अब सुधार होगा। वैसे, अनुच्छेद के हटने से फायदे क्या हैं और रहने के नुकसान क्या थे ?

उत्तर- देखिए, जहां तक नुकसान की बात है तो अनुच्छेद-370 के रहते केंद्र की सरकार जम्मू-कश्मीर में वित्तीय आपातकाल घोषित करने के सक्षम नहीं थी। अनुच्छेद-370 (1) (सी) में उल्लेख है कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 1, अनुच्छेद-370 के माध्यम से कश्मीर में लागू नहीं होगा। क्योंकि अनुच्छेद-1 संघीय राज्यों को सूचीबद्ध करता है। इस अनुच्छेद के मुख्य प्रारूपकार 'अय्यंगर' थे जिन्होंने जम्मू-कश्मीर को स्थानीय स्वायत्तता प्रदान की थी। फायदे की बात करें, तो कानून में इस अनुच्छेद का कोई उल्लेख नहीं है। इसके हटने से पूरे भारत का एकीकरण हुआ है। 'एक देश, एक विधान' का नारा पूरा हुआ है। जम्मू-कश्मीर के गांव-गांव और प्रत्येक घरों में जैसे खुशहाली पंजाब-हरियाणा में मनेगी, वैसा ही माहौल अब वहां होगा।

प्रश्नः जम्मू-कश्मीर की लोकल लीडरशिप, जैसे महबूबा मुफ़्ती फ़ैसले को 'आइडिया ऑफ़ इंडिया' की हार बता रही हैं ?

उत्तर- ये मसला अंतर्विरोध का रहा है। अनुच्छेद-370 और 35ए दोनों जम्मू-कश्मीर को राष्ट्रीय एकता की मुख्यधारा से अलग करते थे। पूर्व में वहां, के राजा ने कई मर्तबा कहा भी था कि इससे विकास बाधक हो रहा है। लेकिन उनकी बातों को पूर्ववर्ती सरकारों ने अनसुना किया। तभी, सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का सबसे पहले कांग्रेस नेता कर्ण सिंह ने स्वागत किया। जहां तक बात महबूबा मुफ़्ती या एकाध और वहां के स्थानीय नेताओं की है, वो सभी विघटनकारी विचारधारा के चुंगल से अभी नहीं निकले हैं। मैं, तो ये कहता हूं, कोर्ट ने उनकी ही बातों का अनुसरण किया। कोर्ट ने केंद्र सरकार को तल्खी से कह दिया है कि प्रदेश में जल्द चुनाव कराए जाएं। महबूबा मुफ़्ती अगर वास्तव में वहां की आवाम का भला चाहती हैं तो चुनाव जीतें, अपनी हुकूमत स्थापति करें, फिर केंद्र की सहायता से वहां रूके विकास कार्यों को आरंभ करें। गलत बयानबाजी और लोगों को बरगलाने से क्या फायदा होगा।

प्रश्नः लीगली पहलुओं से भी 'गुपकार सदस्य' नहीं समझ पाए, विरोध पर अड़े हुए हैं ?

उत्तर- विरोध का तुक नहीं बनता अब। देखिए, न सिर्फ हिंदुस्तान, बल्कि समूचा संसार इस सच्चाई से वाकिफ है कि अनुच्छेद-370 संकीर्ण राजनीतिक फायदों के लिए वर्षों-वर्ष प्रयोग किया जाता रहा। दुख इस बात का था कि पाकिस्तानी विचारधारा पूरी तरह से घुली मिली थी। केंद्र का भेजा पैसा जनकल्याणकारी योजनाओं में न जाकर नेताओं की जेब में पहुंचता था। इसलिए कोर्ट ने माना है कि अस्थाई प्रावधान को स्थाई बनाए रखने का अब कोई तुक नहीं। औचित्य यही था इसे खत्म किया जाए।

प्रश्नः केंद्र सरकार को कोर्ट ने जल्द चुनाव कराने को भी कहा है।

उत्तर- बिना देर किए चुनाव होने चाहिए। प्रदेश की जनता के हितों को देखते हुए कोर्ट बहुत फिकरमंद है। कोर्ट चाहती है कि वहां की आवाम को उनका स्टेटहुड अब बिना देर किए वापस मिले। चीफ जस्टिस न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने तभी केंद्र सरकार को जोर देकर कहा है कि अब आर्टिकल 370 हट गया है। अपनी चुनावी प्रक्रियाएं पूरी करके 30 सितंबर 2024 तक जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराएं। मैं भी इस फैसले का पक्षधर हूं, वहां तुरंत चुनाव करवाए जाएं, लोगों को चुनी हुई सरकार मिले ताकि अन्य राज्यों की तरह वहां भी विकास कार्य सुचारू रूप से शुरू हों। वहां लंबे समय से राज्यपाल शासन लगा हुआ। मुझे लगता है ऐसी स्थिति में ज्यादा विकास होने की संभावना कम रहेगी। इसलिए प्रदेश को मुख्यमंत्री मिले जो लोगों की जरूरतों को पूरा कर सके।

प्रश्नः मामले को लेकर कपिल सिब्बल अच्छी पैरवी कर रहे थे, लेकिन अंत में उन्होंने भी पत्ते डाल दिए ?

उत्तर- मैं उनका सम्मान करता हूं, बहुत सीनियर हैं। इसलिए इस विषय पर मैं ज्यादा टिप्पणी नहीं करना चाहता। लेकिन निर्णय के दिन उनका एक ट्वीट आया था, जो बहुत कुछ कहता है। उन्होंने लिखा था कि 'कुछ लड़ाइयां हारने के लिए लड़ी जाती हैं'। उनका इशारा था कि अच्छे काम की सभी को सराहना करनी चाहिए। वैसे, एक वकील का काम अपना फर्ज निभाना होता है। मुझे लगता है कपिल सिब्बल ने भी अपने दायित्व को ईमानदारी से निभाया।

दिसंबर के पहले पखवाड़े में डीजल की बिक्री में सुधार पर पिछले साल की तुलना में खपत 8.1 प्रतिशत घटी

देश में डीजल की खपत एक से 15 दिसंबर 2023 के दौरान 31.5 लाख टन रही। नवंबर के पहले पखवाड़े के 31.3 टन की की तुलना में यह 0.7 प्रतिशत अधिक है। एक-15 दिसंबर 2022 में डीजल की खपत 34.3 लाख टन रही थी। डीजल भारत में सबसे अधिक खपत वाला ईंधन है। देश के परिवहन क्षेत्र में कुल ईंधन खपत में डीजल की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत है।

नई दिल्ली। देश में डीजल की खपत एक से 15 दिसंबर, 2023 के दौरान 31.5 लाख टन रही। नवंबर के पहले पखवाड़े के 31.3 टन की की तुलना में यह 0.7 प्रतिशत अधिक है। एक-15 दिसंबर, 2022 में डीजल की खपत 34.3 लाख टन रही थी। यानी एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में डीजल की खपत 8.1 प्रतिशत घटी है। नवंबर में बिक्री में गिरावट की मुख्य वजह यह थी कि कुछ ट्रक चालक दिवाली पर छुट्टी लेकर अपने घर चले गए थे।

डीजल भारत में सबसे अधिक खपत वाला ईंधन है। देश के परिवहन क्षेत्र में कुल ईंधन खपत में डीजल की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत है। निजी वाहनों की आवाजाही बढ़ने से दिसंबर के पहले पखवाड़े में पेट्रोल की बिक्री 0.7 प्रतिशत बढ़कर 12.2 लाख टन हो गई।

बता दें कि अक्टूबर के पहले पखवाड़े में पेट्रोल की मांग सालाना आधार पर नौ प्रतिशत घटी थी और डीजल की बिक्री 3.2 प्रतिशत गिरी थी। नवंबर, 2023 के पहले पखवाड़े में 3,10,900 टन की तुलना में मासिक आधार पर जेट ईंधन की बिक्री 0.4 प्रतिशत कम रही। दिसंबर के पहले पखवाड़े में एलपीजी की बिक्री सालाना आधार पर 2.3 प्रतिशत बढ़कर 13.5 लाख टन रही।

एलपीजी की खपत 1-15 दिसंबर, 2021 की तुलना में 8.6 प्रतिशत अधिक और कोरोना पूर्व यानी दिसंबर, 2019 की तुलना में 26 प्रतिशत अधिक थी। आंकड़ों से पता चलता है कि एक से 15 नवंबर के दौरान एलपीजी की खपत 12.5 लाख टन रही। यानी मासिक आधार पर एलपीजी की खपत दिसंबर के पहले पखवाड़े में 7.3 प्रतिशत बढ़ी है।

टॉप 10 वैल्युएबल कंपनियों में से 9 कंपनियों का संयुक्त एमकैप 2.26 लाख करोड़ बढ़ा, आईटी दिग्गज टीसीएस टॉप गेनर

स्टॉक एक्सचेंज की शीर्ष 10 कंपनियों में से नौ का संयुक्त बाजार पूंजीकरण पिछले सप्ताह 2 .26 लाख करोड़ रुपये बढ़ा है। इनमें से सबसे अधिक एमकैप टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इंफोसिस का बढ़ा है। टीसीएस का एमकैप 85493 .74 करोड़ से बढ़कर 14124121 .30 करोड़ हो गया। इंफोसिस का एमकैप 36793 .61 करोड़ रुपये से बढ़कर 6554575 .40 करोड़ रुपये हो गया।

नई दिल्ली। बीते कारोबारी हफ्ते शेयर बाजार के टॉप 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से 9 कंपनियों का संयुक्त मार्केट कैपिटलाइजेशन (एमकैप) पिछले हफ्ते 2.26 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया। इन 9 कंपनियों में से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) और इंफोसिस का एमकैप सबसे अधिक बढ़ा। पिछले हफ्ते कुल 9 कंपनियों का एमकैप 2,26,391.77 करोड़ बढ़ा था।

किस कंपनी का कितना बढ़ा एमकैप?

टीसीएस का एमकैप 85,493.74 करोड़ रुपये बढ़कर 14,12,412.13 करोड़ रुपये हो गया। इंफोसिस का एमकैप 36,793.61 करोड़ रुपये बढ़कर 6,55,457.54 करोड़ रुपये हो गया। भारतीय स्टेट बैंक (SBI) का एमकैप 30,700.67 करोड़ रुपये चढ़कर 5,78,671.84 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का एमकैप 26,386.16 करोड़ रुपये बढ़कर 16,88,173.26 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक का एमकैप 18,493.9 करोड़ रुपये बढ़कर 7,27,330.82 करोड़ रुपये हो गया और एलआईसी का एमकैप 14,294.5 करोड़ रुपये बढ़कर 5,03,722.82 करोड़ रुपये हो गया।

Share Market और Mutual Fund के अलावा भी इतने तरीकों से कर सकते हैं निवेश, जानिए कितने हैं ऑप्शन

अगर आप निवेशक हैं या पहली बार निवेश करने की योजना बना रहे हैं तो यह आपके लिए बेहद काम की खबर है। आज हम आपको पारंपरिक निवेश आधुनिक निवेश और यूनिक निवेश तीन तरह की निवेश की कैटेगरी में बांट कर आपको यह बताएंगे की आप किन-किन तरह से निवेश कर अच्छा पैसा कमा सकते हैं।

नई दिल्ली। आज का यह आर्टिकल आपके निवेश के प्रकार को लेकर मन में चल रहे हर दुविधा को दूर कर देगा। निवेश का मतलब सिर्फ शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड ही नहीं होता, देश में निवेश के कई प्रकार है जहां आप पैसा लगा कर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

अगर आप एक निवेशक हैं या फिर पहली बार निवेश करने वाले हैं तो आपके लिए यह बड़ी काम की खबर है। आपको आसान तरीके से समझाने के लिए हमने निवेश को तीन कैटेगरी में बांटा है। पहली कैटेगरी 'परंपरागत निवेश' दूसरी कैटेगरी 'आधुनिक निवेश' और तीसरी कैटेगरी 'यूनिक निवेश'। चलिए एक-एक कर समझते हैं।

परंपरागत निवेश में कितने तरह के होते हैं निवेश?

जब बात परंपरागत निवेश की आती है तो इनमें वैसे निवेश होते हैं जो पुराने समय से चलते आ रहे हैं और वर्तमान में भी उनका उतना ही महत्व है। परंपरागत निवेश में सोना-चांदी, रियल एस्टेट, फिक्स्ड डिपॉजिट (FD), पोस्ट ऑफिस और रेकरिंग डिपॉजिट (RD) जैसे निवेश आते हैं।

आधुनिक निवेश में किस प्रकार के होते हैं निवेश?

आधुनिक निवेश के नाम ही पता चल रहा है की वैसे निवेश के प्रकार जिनमें हर कोई निवेश करता है या फिर करना चाहता है। इस तरह के निवेश में शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड, बॉन्ड और क्रिप्टो करेंसी में निवेश आते हैं।

यूनिक निवेश में कितने तरह के निवेश होते हैं?

यूनिक निवेश उन निवेश को कहते हैं जो सामान्य निवेश नहीं बल्कि हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल (HNI) करते हैं। एचएनआई यूनिक निवेश में महंगी पेंटिंग, कीमती एंटीक, महंगी वाइन इत्यादि जैसे चीजों में निवेश करते हैं। एचएनआई ऐसे व्यक्ति होते हैं जिनके पास अच्छी खासी वित्तीय संपत्ति और पैसा होता है। इन व्यक्तियों के पास आम तौर पर कम से कम 1 मिलियन डॉलर की नेट वर्थ होती है।

इनसाइड

नोएडा सहित इन शहरों में अपडेट हुई पेट्रोल और डीजल की कीमत, यहां चेक करें लेटेस्ट रेट

रविवार को सुबह 6 बजे के लिए तेल कंपनियों ने देश के हर छोटे और बड़े शहरों के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमतों को जारी कर दिया है। उपभोक्ताओं को राहत देते हुए तेल कंपनियों ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर रखी हैं। जानिए आपके शहर में क्या पेट्रोल और डीजल की कीमत।

नई दिल्ली। रविवार 10 दिसंबर के लिए तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों को जारी कर दिया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को कच्चा तेल 1 प्रतिशत से अधिक महंगा हुआ था। ग्राहकों को राहत देते हुए तेल कंपनियों ने आज एक बार फिर से राष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों को स्थिर रखा है लेकिन कीमतों को रिवाइज करने से कुछ शहरों में तेल की कीमतों में बदलाव जरूर देखने को मिल रहा है। जानिए आपके शहर में एक लीटर पेट्रोल और डीजल का क्या है रेट।

इन शहरों में बदली तेल की कीमत

गुड रिटर्न के मुताबिक आज तेल की कीमतें इस प्रकार हैं:

शहर	पेट्रोल (कीमत रुपये प्रति लीटर)	डीजल (कीमत रुपये प्रति लीटर)
नोएडा	97.00	90.14
गुरुग्राम	96.89	89.76
लखनऊ	96.62	89.81
बेंगलुरु	101.94	87.89
भुवनेश्वर	103.19	94.76

किस शहर में क्या है तेल का भाव?

शहर	पेट्रोल (कीमत रुपये प्रति लीटर)	डीजल (कीमत रुपये प्रति लीटर)
नई दिल्ली	96.72	89.62
कोलकाता	106.03	92.76
तिरुवनंतपुरम	109.73	98.53
मुंबई	106.31	94.27
चैन्नई	102.63	94.24
पटना	107.24	94.04
चंडीगढ़	96.20	84.26
हैदराबाद	109.66	97.82
जयपुर	108.48	93.72

2047 तक 'सभी के लिए बीमा' हासिल करने में LIC निभाएगी महत्वपूर्ण भूमिका: एलआईसी अध्यक्ष सिद्धार्थ मोहंती

एलआईसी के अध्यक्ष सिद्धार्थ मोहंती ने कहा कि एलआईसी 2047 तक सभी के लिए बीमा हासिल करने के अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी ने घोषणा की कि वह विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक नई नीति पेश करने की योजना बना रही है।

नई दिल्ली। एलआईसी के चेयरमैन सिद्धार्थ मोहंती ने बताया कि '2047 तक सभी के लिए बीमा' हासिल करने की कोशिश में, एलआईसी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी ने कहा कि वह इस लक्ष्य को पूरा करने के उद्देश्य से विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के लिए डिजाइन किया गया नया बीमा पॉलिसी लॉन्च करने की योजना बना रही है।

पीटीआई, एलआईसी के चेयरमैन सिद्धार्थ मोहंती ने कहा, फोकस इस बात पर होगा कि अधिकतम ग्रामीण जनता को कैसे कवर किया जाए जिन्हें वास्तव में बीमा की आवश्यकता है। आने वाले दिनों में, ग्रामीण हिस्सेदारी भी हमारे कुल कारोबार में बढ़ जाएगी।

बीमा विस्तार के लिए IRDAI ने दिया है ये प्रस्ताव

एलआईसी के चेयरमैन सिद्धार्थ मोहंती ने कहा कि बीमा नियामक IRDAI ने पहले ही एक मिश्रित उत्पाद 'बीमा विस्तार' (Bima Vistar) का प्रस्ताव दे चुका है जिसमें जीवन, स्वास्थ्य और संपत्ति बीमा शामिल होगा। बीमा विस्तार को बेचने के लिए 'बीमा वाहक' को लगाया जाएगा जो एक महिला-केंद्रित वितरण चैनल मॉडल होगा।

क्या है पीएम का लक्ष्य?

पीएम मोदी का लक्ष्य भारत को साल 2047 तक जब भारत आजादी के 100 साल मना रहा होगा तब भारत एक विकसित राष्ट्र हो ना की विकासशील राष्ट्र। वर्तमान में भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है लेकिन वैश्विक औसत की तुलना में बीमा की पहुंच कम है।

बीमा वाहक के लिए ड्राफ्ट तैयार करने का दिशानिर्देश जारी

इसी साल जून में, भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI) ने 'बीमा वाहक' के लिए ड्राफ्ट तैयार करने का दिशानिर्देश पेश किया था, जो ग्राम पंचायतों के स्तर पर एक समर्पित वितरण चैनल स्थापित करेगा।

दिशानिर्देशों के मुताबिक वितरण चैनल के लिए कॉर्पोरेट बीमा वाहक और व्यक्तिगत बीमा वाहक का प्रस्ताव दिया गया है। कॉर्पोरेट बीमा वाहक संबंधित कानूनों के अनुसार पंजीकृत और बीमाकर्ता द्वारा नियुक्त कानूनी व्यक्ति होंगे।

कम हुआ कोयले का आयात, अप्रैल-अक्टूबर के दौरान 4 प्रतिशत से अधिक घटा इंपोर्ट

वित्त वर्ष 24 में अप्रैल से अक्टूबर तक भारत के कोयला आयात में गिरावट आई। वित्त वर्ष 23 की समान अवधि में 154 .72 मिलियन टन (एमटी) की तुलना में इस अवधि के दौरान कोयले का आयात 4 .2% गिरकर 148 .13 मिलियन टन (एमटी) हो गया। आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल-अक्टूबर के दौरान नॉन-कोकिंग कोयले का आयात पिछले साल की समान अवधि के 104 .41 टन से घटकर 94 .53 टन रह गया।

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 24 के अप्रैल से अक्टूबर के दौरान भारत का कोयला आयात घटा है। इस दौरान कोयले का आयात 4.2 प्रतिशत गिरकर 148.13 मिलियन टन (एमटी) हो गया जो वित्त वर्ष 23 की समान अवधि में 154.72 मीट्रिक टन था।

कितना रहा नॉन-कोकिंग कोल का आयात?

एक रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-अक्टूबर अवधि के दौरान, गैर-कोकिंग कोयले का आयात घटकर 94.53 मीट्रिक टन हो गया जो पिछले साल की समान अवधि के दौरान 104.41 मीट्रिक टन था।

कितना रहा कोकिंग कोल का आयात?

आंकड़ो के मुताबिक चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीनों के दौरान कोकिंग कोयले का आयात थोड़ा बढ़कर 33.74 मीट्रिक टन था। आपको बता दें कि एक साल पहले की अवधि में इसका आयात 32.74 मीट्रिक टन था।

अक्टूबर में कितना रहा आयात?

एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर में आयात लगभग 23.59 मीट्रिक टन रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष में अक्टूबर में यह 19.04 मीट्रिक टन था। अक्टूबर में कुल आयात में से, गैर-कोकिंग कोयले का आवक शिपमेंट 16.88 मीट्रिक टन था जो पिछले साल के अक्टूबर में 11.69 मीट्रिक टन था।

इसके अलावा कोकिंग कोयले का आयात 4.31 मीट्रिक टन रहा, जो पिछेल साल के अक्टूबर में 4.69 मीट्रिक टन था।

ग्रेजुएशन करने वालों के लिए अच्छी खबर, जुलाई 2022 से जून 2023 तक 13.4% घटी बेरोजगारी दर

एक सरकारी सर्वेक्षण के अनुसार ग्रेएजुएट किए छात्रों के बीच जुलाई 2022 से जून 2023 तक बेरोजगारी दर घटी है। सरकारी सर्वेक्षण के अनुसार 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के स्नातकों के लिए बेरोजगारी दर 2022-23 में गिरकर 13 .4 प्रतिशत हो गई जो एक साल पहले 14 .9 प्रतिशत थी। जानिए किस राज्य में सबसे अधिक बेरोजगारी दर।

नई दिल्ली। देश में रोजगार को लेकर बड़ी और अच्छी खबर सामने आ रही है। एक सरकारी सर्वे के मुताबिक ग्रेजुएट करने वाले छात्रों के बीच बेरोजगारी कम हुई है। सर्वे के मुताबिक 15 साल और उससे अधिक आयु वर्ग के ग्रेजुएट के बीच बेरोजगारी दर 2022-23 में घटकर 13.4 प्रतिशत हो गई है, जो एक साल पहले 14.9 प्रतिशत थी।

कहां सबसे कम बेरोजगरी?

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा किए गए लेटेस्ट आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) के अनुसार, 15 साल और उससे अधिक आयु के ग्रेजुएट के बीच साल 2022-23 के दौरान सबसे कम बेरोजगारी दर चंडीगढ़ में 5.6 प्रतिशत रही। दूसरे नंबर पर 5.7 प्रतिशत के साथ दिल्ली का स्थान रहा।

सबसे अधिक बेरोजगार इस राज्य में

आंकड़ों के अनुसार अंडमान और निकोबार द्वीप में सबसे अधिक बेरोजगारी 33 प्रतिशत है, इसके बाद लद्दाख में 26.5 प्रतिशत और आंध्र प्रदेश में 24 प्रतिशत है। बड़े राज्यों की बात करें तो राजस्थान में बेरोजगारी दर 23.1 प्रतिशत और ओडिशा में 21.9 प्रतिशत है। आपको बता दें कि NSSO ने अप्रैल 2017 में आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) को शुरू किया था

अब तक पांच रिपोर्ट हो चुकी है जारी

मंत्रालय द्वारा जुलाई 2017-जून 2018, जुलाई 2018-जून 2019, जुलाई 2019-जून 2020, जुलाई 2020-जून 2021 और जुलाई 2021-जून 2022 के दौरान पीएलएफएस में एकत्र आंकड़ों के आधार पर पांच साल की रिपोर्टें जारी की है। वर्तमान में जारी रिपोर्ट छठी रिपोर्ट है।

रिपोर्ट के मुताबिक

जुलाई 2022-जून 2023 की अवधि के लिए आवंटित सैंपल के संबंध में जानकारी एकत्र करने के लिए फील्ड कार्य, राज्य के लिए 51 पहली यात्रा और 68 पुनरीक्षण एफएसयू को छोड़कर, पहली यात्रा के साथ-साथ पुनरीक्षित नमूनों के लिए समय पर पूरा किया गया था। मणिपुर की, पिछली तिमाही, अप्रैल-जून 2023 में आवंटित, जिन्हें अशांत क्षेत्र की स्थिति और इंटरनेट सेवाओं की अनुपलब्धता के कारण हताहत माना गया था।

TVS Motor और Ashok Leyland ने बढ़ाया हाथ, मिचौंग साइक्लोन से बचाव कार्य के लिए तमिलनाडु सरकार को दान किए 3 करोड़ रुपये

टीवीएस मोटर और अशोक लीलैंड ने तमिलनाडु सरकार के राहत कोष में चक्रवात मिचौंग से हुई बाढ़ और क्षति के मद्देनजर राहत कार्यों में सहायता के लिए 3-3 करोड़ रुपये का दान दिया है। चक्रवात मिचौंग ने चेन्नई के साथ-साथ तमिलनाडु के अन्य शहरों में भी तबाही मचाई है। तमिलनाडु के सीएम भी अपनी एक महीने की सैलरी दान में देंगे।

नई दिल्ली। देश की बड़ी मोटर कंपनियों में से एक टीवीएस मोटर ने तमिलनाडु में चक्रवात मिचौंग से हुई बाढ़ और क्षति के मद्देनजर राहत कार्यों में सहायता के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में 3 करोड़ रुपये का दान दिया है। टीवीएस मोटर्स ने कहा कि वो बाढ़ प्रभावित ग्राहकों के लिए अतिरिक्त सर्विस सपोर्ट देगा।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस पैसे का इस्तेमाल आवश्यक बाढ़ राहत और सहायता प्रदान करने के लिए किया जाएगा जो चक्रवात से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। टीवीएस मोटर कंपनी के प्रबंध निदेशक सुदर्शन वेणु ने कहा, बाढ़ ने समुदाय पर गंभीर कठिनाई पैदा कर दी है, और हम समुदाय का समर्थन करने के लिए अपनी भूमिका निभाना चाहेंगे

अशोक लीलैंड ने भी दिया दान

कमर्शियल वाहन निर्माता अशोक लीलैंड ने आज चक्रवात मिचौंग प्रभावित राज्य में राहत कार्यों और सहायता के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री राहत कोष में 3 करोड़ रुपये का दान दिया है। अशोक लीलैंड के प्रबंध निदेशक और सीईओ शेनु अग्रवाल ने कहा, हम चक्रवाती तूफान और लगातार बारिश के कारण हुई तबाही से बहुत दुखी हैं, जिससे चेन्नई और आसपास के जिलों में कई लोगों का जीवन प्रभावित हुआ है। इस कठिन स्थिति को प्रबंधित करने और आवश्यक राहत उपाय सुनिश्चित करने में तमिलनाडु सरकार द्वारा प्रदर्शित त्वरित प्रतिक्रिया को देखकर बहुत खुशी हो रही है।

ऐसे ही नहीं लगी संसद की सुरक्षा में सेंध, आईबी-रॉ और पुलिस को कुछ माननीयों पर साजिश रचने का शक

संसद भवन की सुरक्षा में सेंध मामले में दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलीजेंस आईबी और रॉ (RAW) पिछले पांच दिनों से गहन जांच में जुटी हुई हैं। जांच एजेंसियां अब तक आरोपितों द्वारा रची गई साजिश व उनके मकसद का स्पष्ट पता नहीं लगा पाई हैं। आरोपितों द्वारा रची गई साजिश के सामने जिस तरह से संसद की सुरक्षा व्यवस्था ध्वस्त हुई।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। संसद भवन की सुरक्षा में सेंध मामले में दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलीजेंस, आईबी और रॉ (RAW) पिछले पांच दिनों से गहन जांच में जुटी हुई हैं। जांच एजेंसियां अब तक आरोपितों द्वारा रची गई साजिश व उनके मकसद का स्पष्ट पता नहीं लगा पाई हैं।

आरोपितों द्वारा रची गई साजिश के सामने जिस तरह से संसद की सुरक्षा व्यवस्था ध्वस्त हुई, उससे जांच एजेंसियों को शक गहरा रहा है कि कुछ माननीयों की मिलीभगत है, जिनसे आरोपितों को संसद के अंदर के बारे में जानकारी मिली है।

पहली बार में संसद में घुसकर कैसे दिया वारदात को अंजाम

ऐसा इसलिए माना जा रहा है, क्योंकि संसद भवन के अंदर से पकड़े गए सागर शर्मा (लखनऊ) और मनोरंजन गौड़ (मैसूरु) वारदात से पहले कभी नए संसद के अंदर नहीं गए थे। दोनों पेशेवर अपराधी भी नहीं हैं। ऐसे में 13 दिसंबर को पहली बार ही वे संसद के अंदर जाकर वारदात को अंजाम देने में कैसे सफल हो गए?

बड़े स्तर पर साजिश रचने की आशंका

संसद की सुरक्षा में सेंध की उच्च स्तरीय जांच की जा रही है। स्पेशल सेल समेत तमाम केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां जांच में जुटी हुई हैं। इस मामले में जांच को लेकर अब तक कोई अधिकारिक जानकारी साझा नहीं किए जाने से कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। जिस तरह से सागर शर्मा व मनोरंजन गौड़, संसद के अंदर घुसकर वारदात को अंजाम देने में सफल हो गए, उससे जांच एजेंसियां यह मान रही हैं कि इसकी बड़े स्तर पर साजिश रची गई है।

इसी के मद्देनजर मुकदमे में गैर कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के साथ दिल्ली पुलिस ने आपराधिक साजिश रचने की धारा भी लगाई है। जांच एजेंसी यह मान रही है कि दिल्ली दंगे, टूलकिट व किसान आंदोलन की तरह यह भी सरकार के खिलाफ रची गई बड़ी साजिश है।

सांसद के पास के जरिए की गई रेकी

सागर शर्मा ने जुलाई में पुराने संसद भवन के अंदर जाकर रेकी करने की कोशिश की थी, लेकिन अंदर जाने में असफल रहने पर वह बाहर का नजारा देख सुरक्षा-व्यवस्था भांपकर वापस लखनऊ लौट गया था। मार्च में बजट सत्र के दौरान मनोरंजन गौड़ ने किसी सांसद के पास के जरिए संसद के अंदर आकर दर्शक दीर्घा में बैठकर रेकी की थी।

सुरक्षा को भांपने के बाद बनाया प्लान

उस दौरान उसने भांप लिया था कि संसद के अंदर जाने के दौरान आम लोगों को किस तरह की सुरक्षा जांच से गुजरना पड़ता है। उसने देखा था कि जूतों की जांच नहीं की जाती है। इस पर उसने सुरक्षा जांच संबंधी प्रक्रिया के बारे में आरोपितों से साझा किया था फिर ऐसी रणनीति बनाई गई, जिससे सुरक्षा चक्रव्यूह को ध्वस्त कर अंदर घुसा जा सके।

राज्यों से दो-तीन दिन पहले दिल्ली पहुंचे

उसी रणनीति के तहत जूते के सोल में विशेष केविटी बनवाए गए और उसके अंदर कलर स्मोक क्रैकर छिपाकर संसद के अंदर प्रवेश कर वारदात को अंजाम दिया गया। पूरी तैयारी करने के बाद आरोपित अपने-अपने राज्यों से वारदात से दो-तीन दिन पहले दिल्ली आ गए थे।

14 दिसंबर था पहले वारदात का दिन

यहां से सभी गुरुग्राम में विक्की शर्मा के घर पहुंचे और वहां दो दिन रुकने के बाद आरोपितों ने 14 दिसंबर को वारदात के लिए दिन तय किया, लेकिन 13 दिसंबर को ही एक सांसद से पास का बंदोबस्त हो जाने पर उसी दिन वारदात को अंजाम दे दिया गया। सूत्रों की मानें तो सागर शर्मा व मनोरंजन को संसद के अंदर व सुरक्षा जांच के बारे में पूरी जानकारी थी। 13 दिसंबर को पांच आरोपित सागर शर्मा, मनोरंजन गौड़, नीलम आजाद (जींद, हरियाणा), अलोल शिंदे (लातूर, महाराष्ट्र) व ललित झा (दरभंगा, बिहार) पांच सुबह ही संसद भवन के पास पहुंच गए।

तीन आरोपित गेट नंबर-1 के बाहर रुक गए, जबकि सागर व मनोरंजन समय पर संसद भवन के पास पहुंच सुरक्षा जांच की पंक्ति में लग गए ताकि उन्हें दर्शक दीर्घा में सबसे आगे की पंक्ति में जगह मिल सके, जहां से वे पिलर के सहारे संसद दीर्घा में कूद सकें। यह सब किसी माननीयों की मिलीभगत का ही नतीजा माना जा रहा है।

योजना के तहत दोनों को आगे की पंक्ति में जगह मिल गई। संसद की कार्यवाही शुरू होने पर दोनों दोपहर 12:30 बजे पिलर के सहारे अंदर कूद गए और कलर स्मोक क्रैकर से संसद को धुआं-धुआं कर नारेबाजी शुरू कर दी थी। सूत्रों के मुताबिक उस दौरान मार्शल की भी नजर दोनों पर जल्द नहीं पड़ी अन्यथा कूदने के दौरान ही दोनों दबोच लिए जाते।

राम मंदिर अनुष्ठान में भी हो सकती है संसद जैसी घटना

'टुकड़े-टुकड़े गैंग जैसी प्रवृत्तियां देश को करना चाहती हैं खंडित'

संसद की सुरक्षा में चूक के हालिया घटनाक्रम के बीच राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा अगले वर्ष बहुप्रतिक्षित राम मंदिर अनुष्ठान में भी इस तरह की अप्रिय घटना को लेकर आशंका व्यक्त की गई। गोविंद देव गिरि महाराज के अनुसार जिस तरह संसद में घुसकर हंगामा हुआ वैसी कोशिश राम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान और उसके बाद भी की जा सकती है।

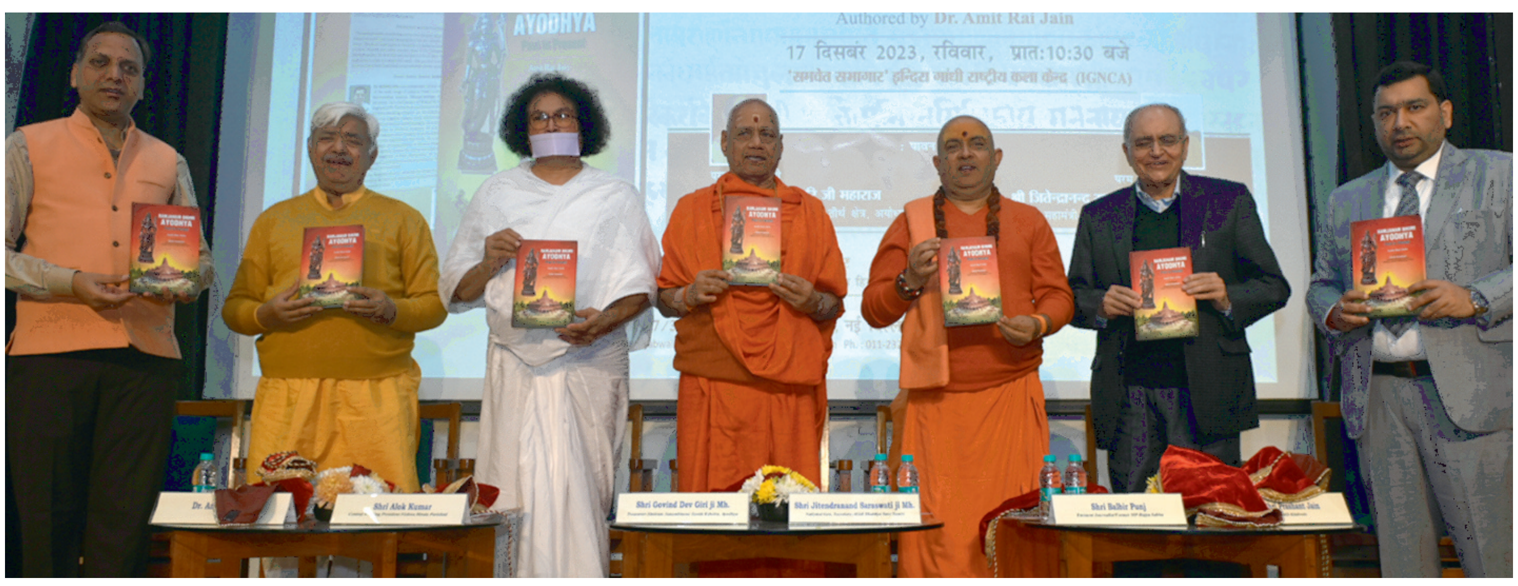

नई दिल्ली। संसद की सुरक्षा में चूक के हालिया घटनाक्रम के बीच राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा अगले वर्ष बहुप्रतिक्षित राम मंदिर अनुष्ठान में भी इस तरह के अप्रिय घटना को लेकर आशंका व्यक्त की गई है। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि महाराज के अनुसार, जिस तरह से संसद में घुसकर हंगामा किया गया, उस तरह की कोशिश राम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान और उसके बाद भी की जा सकती है।

आइजीएनसीए में पुस्तक राम जन्मभूमि अयोध्याः अतीत से वर्तमान, का विमोचन करते (मध्य में) गोविंद देव गिरि महाराज व स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती, (बाएं से) पुस्तक के लेखक डा. अमित राज जैन, आलोक कुमार, लोकेश मुनि महाराज, (दाएं से) प्रशांत जैन व बलबीर पुंज।

इसलिए सचेत रहने की आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने ऐसे किसी घटनाक्रम को रोकने के लिए समाज से सज्जनता और शक्ति धारण करने के साथ सक्रिय तथा सावधान रहने की आवश्यकता पर भी जोर दिया है।

देश को खंडित करने के देख रहे सपने

उन्होंने कहा कि विश्व में ऐसे अनेकों देश हैं, जो भारत में उथल-पुथल चाहते हैं। वह देश को खंडित करने के मंसूबे देख रहे हैं। यह तोड़ने वाले टुकड़े-टुकड़े गैंग जैसी प्रवृत्तियां देश के भीतर भी मौजूद हैं। ऐसे में हमें ऐसा राष्ट्र खड़ा करना है जिसमें कोई राम मंदिर क्या, किसी मंदिर को भी टेढ़ी नजर से न देख पाए।

आईजीएनसीए में इतिहासकार व लेखक अमित राय जैन की पुस्तक "राम जन्मभूमि अयोध्याः अतीत से वर्तमान" के विमोचन अवसर पर उन्होंने कहा कि मंदिर आंदोलन राष्ट्रीय व राष्ट्र विरोधी शक्तियों के बीच का संघर्ष था, जो प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के वक्त से है।

विहिप ने कांग्रेस पर साधा निशाना

उनकी बातों को आगे बढ़ाते हुए विहिप (विश्व हिंदू परिषद) के केंद्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार ने दावा किया कि सत्ता प्राप्ति की जल्दी और नेहरू की ढलती अवस्था के कारण स्वतंत्रता नहीं बल्कि पराजय को स्वीकार कर वर्ष 1947 में भारत के टुकड़े किए गए थे, जिसे स्वतंत्रता बताते हुए कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने जश्न मनाया था।

अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री जीतेंद्रानंद सरस्वती ने मंदिरों से देश की सुदृढ़ अर्थव्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा कि यह देखते हुए ही मुगलों ने मंदिरों को सर्वाधिक निशाना बनाया। जबकि विश्व में मंदिर केंद्रीय अर्थव्यवस्था से बेहतर कोई और नहीं है।

इसे ऐसे समझा जा सकता है कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के लोकार्पण के बाद वर्ष 2022 में करीब 10 करोड़ लोगों ने काशी की यात्रा की है। अब जबकि राम मंदिर के पट भक्तों के लिए खुलने जा रहे हैं तो अयोध्या में भी भक्तों का वही प्रवाह देखने को मिलेगा। इस मौके पर अहिंसा विश्व भारती के संस्थापक लोकेश मुनि व पत्रकार बलबीर पुंज ने भी अपने विचार रखें।

किशोरी की विद्युत करंट से तो अधेड़ की खान में डूबने से हुई मौत

बागोर पुलिस थाना क्षेत्र की हैं दोनों घटनाएं

परिवहनविशेष-अनूपकुमारशर्मा

भीलवाड़ा। बागोर थाना क्षेत्र में रविवार को एक गांव में किशोरी की विद्युत करंट से जबकि एक अधेड़ किसान की खान में डूबने से मौत के दो मामले सामने आए हैं। पुलिस ने मृग दर्ज कर दोनों के ही शवों का परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सुपुर्द किये।बागोर थानाधिकारी मोती लाल रायका ने बताया कि क्षेत्र के पीथास व चाँदरास गांव से आकस्मिक मौत की सूचनाएं मिली जिस पर पीथास में एएसआई कमलेश जायसवाल को मौके पर भेजा वही चाँदरास के लिए हेडकांस्टेबल नरपत सिंह को भेजा गया।एएसआई कमलेश जायसवाल ने बताया कि बागौर थाना क्षेत्र के पीथास गांव में रहने वाली टीना कुमारी पुत्री रामलाल गाडरी उम्र 15 वर्ष जो कि रविवार अलसुबह खेत पर फसल की पिलाई करने गई। जहां मोटर चालू करते वक्त स्टार्टर से उसे करंट लग गया जिससे टीना अचेत होकर नीचे गिर पड़ी। परिजनों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुँचीं और अचेतावस्था में टीना को जिला अस्पताल लेजाया गया इस दौरान रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। टीना के बड़े पिता गोपाल लाल गाडरी की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने भीलवाड़ा पोस्टमार्टम करवा मृग दर्ज कर टीना का शव परिजनों के सुपुर्द किया। स्कूली छात्रा के साथ हुई इस घटना से पीथास गांव में शोक की लहर छा गई। इधर परिजनों के साथ ही पीथास सरपंच छौटु सिंह चूंडावत भी मौके पर मौजूद रहे। उधर चाँदरास गांव में हुई घटना को लेकर हेडकांस्टेबल नरपत सिंह ने बताया कि सूचना पर पुलिस मौके पर पहुँची। जहां नारायण पिता माँगू गुर्जर उम्र 40 वर्ष जो कि चाँदरास बेमाली रोड़ स्थित एक खान पर गया जहां पांव फिसलने से वह खान में जा गिरा जिसकी पानी में डूबने से मौत हो गई। मृतक नारायण के काका का लड़का भाई भंवर लाल गुर्जर की रिपोर्ट पर पुलिस ने बागोर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम करवा मृग दर्ज कर शव परिजनों को सुपुर्द किया।

गृहमंत्री अमित शाह के बयान की मांग पर कायम कांग्रेस, सरकार पर लगाया ये आरोप

सुरक्षा चूक (Parliament security Breach) पर पीएम मोदी की टिप्पणी के बाद भी तनाव कम होते नहीं दिख रहे है। पीएम मोदी के बयान के बाद भी विपक्ष कांग्रेस इस मुद्दे पर संसद में गृहमंत्री अमित शाह (Amit Shah) के बयान की मांग पर कायम है और इसे देखते हुए सोमवार को भी सुरक्षा चूक मामले पर दोनों सदनों में जारी टकराव खत्म होने के आसार नहीं है।

नई दिल्ली। संसद में हुई सुरक्षा चूक की चिंता को कम नहीं आंकने और इसकी गहराई से जांच जारी रहने के प्रधानमंत्री के बयान के बाद भी संसद में इस मुद्दे पर सरकार और विपक्ष के बीच जारी टकराव थमने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं।

मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सुरक्षा चूक के मुद्दे पर संसद में बहस से बचने और इसको लेकर सवालों के कठघरे में खड़े भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा को बचाने के लिए पीएम ने बहस की आवश्यकता को टालने का प्रयास किया है।

गृहमंत्री अमित शाह के बयान की मांग पर कायम विपक्षी

पीएम के बयान के बाद भी विपक्ष इस मुद्दे पर संसद में गृहमंत्री अमित शाह के बयान की मांग पर कायम है और इसे देखते हुए सोमवार को भी सुरक्षा चूक मामले पर दोनों सदनों में जारी टकराव खत्म होने के आसार नहीं है। पीएम मोदी के इस बयान कि संसद में सुरक्षा चूक का मामला अत्यंत दुखद और चिंताजनक है और इस पर वाद-विवाद करने की बजाय इसकी गहराई से जांच जरूरी है पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस ने सरकार पर बहस से भगाने का आरोप लगाया।

कांग्रेस ने पीएम मोदी पर बोला हमला

कांग्रेस के संचार महासचिव जयराम रमेश ने पीएम के बयान को लेकर एक्स पर टिप्पणी करते हुए कहा '13 दिसंबर को लोकसभा में हुई बेहद खतरनाक घटनाओं पर प्रधानमंत्री ने आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़ी है। उनका कहना है कि इस मामले पर बहस की नहीं, जांच की जरूरत है और जांच चल रही है।

13 दिसंबर को जो हुआ और जिस तरह से हुआ, उसे लेकर आइएनडीआइए की सभी पार्टियां गृह मंत्री के बयान की मांग कर रही हैं और यह मांग जारी रहेगी। प्रधानमंत्री एक सीधे से कारण से बहस से भाग रहे हैं। 13 दिसंबर को लोकसभा में घुसने वाले आरोपियों को प्रवेश दिलाने में मदद करने वाले मैसूर के भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा की भूमिका पर सवाल उठाए जाएंगे।'

सुरक्षा चूक के मुद्दे पर कांग्रेस की मांग

मालूम हो कि सुरक्षा चूक के मुद्दे पर दोनों सदनों में गृहमंत्री के बयान के बाद संक्षिप्त चर्चा की मांग कर रहे विपक्षी दल लगातार दो दिनों से संसद की कार्यवाही ठप कर चुके हैं। शीत सत्र में अब केवल पांच दिन बचे हैं और जयराम के बयान को देखते हुए सोमवार को भी इस मुद्दे पर संसद में हंगामा जारी रहने के पुख्ता आसार हैं।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का पंचायत प्रतापपुरा में हुआ आयोजन

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

शाहपुरा विकसित भारत संकल्प यात्रा की प्रचार वेन ग्राम पंचायत मुख्यालय पर पहुंचने पर राजीविका स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा मंगल कलश,तिलक लगाकर भावपूर्ण स्वागत किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय विधायक श्रीमान लालाराम जी बैरवा के आगमन पर सरपंच की अगुवाई में ग्राम वासियों द्वारा गर्म जोशी से स्वागत किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री लालाराम बैरवा द्वारा केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े पात्र व्यक्ति को मिले इसके लिए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए। श्री बैरवा ने प्रधानमंत्री आवास योजना स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण जल जीवन मिशन आयुष्मान भारत के तहत लाभान्वित हुए लाभार्थियों से संवाद किया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री मातृत्व योजना के तहत श्रीमती माया पत्नी रामेश्वर लोहार की गोद भराई विधायक महोदय से करवाई गई। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने उत्सव गीत गाए।विधायक महोदय ने उज्जवला गैस योजना के दो नए कनेक्शन लाभार्थियों को देने के साथ ही तीन किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण करने के साथ ही विभागवार किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी ली। स्थानीय विद्यालय की छात्राओ ने स्वागत गीत के साथ ही राजस्थानी गीत पर नृत्य की प्रस्तुति दी। डे प्रभारी एवम विकास अधिकारी श्री भानुप्रताप सिंह हाडा ने शपथ का वाचन करते हुए सभी को शपथ दिलाई। प्रचार वेन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संदेश दिखाया गया। कार्यक्रम में यात्रा के शाहपुरा मंडल संयोजक महावीर प्रसाद सैनी, कन्हैयालाल धाकड़ ,राजेंद्र बोहरा, बालाराम खारोल ,गोपाल गुर्जर, महेंद्र रायका ,सीताराम बेरवा, सरपंच भूरी देवी ,वार्ड पंचों सहित सैकड़ों की संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023